

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि के दौरान महानवमी के शुभ अवसर पर गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन किया।

दैनिक राष्ट्रीय शुभ प्रभात गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सुविचार

जो खुद पर विश्वास करता है, वही दुनिया को बदलने की शक्ति रखता है।

■ भोपाल, गुरूवार 22 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 127 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

टीवी चैनल आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज से बचें : केंद्र

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एडवाइजरी में कहा राष्ट्रविरोधी सामग्री न दिखाएं

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों के लिए बुधवार को एक सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि वे आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज से बचें,भड़काऊ बहस और राष्ट्रविरोधी सामग्री न दिखाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस्तेमाल में सावधानी बरतें। मंत्रालय ने एडवाइजरी में सभी सैटेलाइट टीवी चैनलों को कार्यक्रम संहिता का सख्ती से पालन करने के आदेश दिए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि उनकी अंतर-विभागीय समिति ने पाया है कि चैनलों पर प्रसारित खबरें और दृश्य संहिता के अनुरूप नहीं हैं और एक ही तरह के दृश्य बार-बार दिखाए जा रहे हैं। आदेश के मुताबिक आतंकवाद विरोधी अभियानों



का लाइव कवरेज पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ऑपरेशन समाप्त होने तक केवल अधिकृत अधिकारी की ब्रीफिंग ही प्रसारित की जा सकेगी। पुराने दृश्यों पर टाइम-स्टैम्प लगाना अनिवार्य होगा। हिंसक और परेशान करने वाले दृश्यों को लेकर भी चैनलों को सतर्क रहने को कहा गया है। ऐसे दृश्यों को लूप में बार-बार न दिखाने और जरूरत पड़ने पर ब्लर या मास्किंग का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं। अपराध से जुड़ी खबरों में सनसनीखेज रिपोर्टिंग से बचने और सत्यापित तथ्यों पर आधारित कवरेज करने को कहा गया है। टीवी चैनलों को महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्राकृतिक आपदाओं और हादसों की रिपोर्टिंग में टाइम-स्टैम्प का इस्तेमाल अनिवार्य होगा, ताकि दर्शकों में दहशत न फैले। मंत्रालय ने सभी चैनलों को केवल भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित भारत के प्रामाणिक मानचित्र का ही उपयोग करने का आदेश दिया है। लाइव डिबेट को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाली टिप्पणियों पर रोक लगाने, पैनलिस्टों का सावधानी से चयन करने और आपत्तिजनक टिप्पणियों को म्यूट करने या डिस्क्लेमर चलाने को कहा गया है। यौन अपराध पीड़ितों की पहचान उजागर करने पर पूरी तरह रोक रहेगी। पीड़ित से जुड़ी कोई भी जानकारी, फोटो या पारिवारिक विवरण नहीं दिखाया जा सकेगा। मंत्रालय ने एआई और जेनरेटिव एआई टूल्स के इस्तेमाल में भी सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि खबरों की सटीकता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम संहिता का उल्लंघन करने पर केबल टेलीविजन नेटवर्क अधिनियम-1995 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस जवानों ने धैर्य, संयम, अनुशासन और वीरता से सुरक्षा को मजबूत किया : अमित शाह



नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली बार बिना हिंसा के चुनाव हुए। अब 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशे की समस्या से मुक्त कराने का लक्ष्य हासिल करने के लिए काम करेंगे। अमित शाह ने कहा,आज मैं देश की जनता से कहना चाहता हूं कि सरकार की सभी सेवाओं में यदि कोई सेवा सबसे कठिन है, तो वह पुलिस सेवा है। देश के हर नागरिक के लिए रक्षाबंधन, होली, दीपावली और ईद जैसे त्योहार होते हैं लेकिन पुलिसकर्मियों के लिए कोई त्योहार नहीं होता। जिस दिन हम सभी अपने परिवार के साथ त्योहार मनाते हैं, उस दिन भी हमारा कोई जवान ड्यूटी पर खड़ा रहकर आंतरिक सुरक्षा की चिंता करता है,कहीं यातायात व्यवस्था संभालता है, तो कहीं लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। अपने जीवन के स्वर्णिम दौर को परिवार से दूर रहकर राष्ट्र को समर्पित करना अपने आप में बहुत बड़ी सेवा है। आज पूरे देश में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहां पुलिस के जवानों ने अभूतपूर्व धैर्य, संयम,अनुशासन,वीरता और समर्पण का परिचय देते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया है। गृह मंत्री ने कहा, देश में चारों ओर शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिहार में चुनावी हिंसा पर अंकुश लगाने में सफलता मिली है लेकिन पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा की घटनाएं लंबे समय से सामने आती रही हैं। हर चुनाव में 25, 50, 100 और यहां तक कि 200 नागरिकों तक की मौत हो जाती है। अमित शाह ने कहा,मैं सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के जवानों को बहुत-बहुत साधुवाद देना चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बिना किसी व्यक्ति की मृत्यु के चुनाव संपन्न कराने में हमारे सुरक्षा जवानों को बड़ी सफलता मिली है। इसके लिए आपने एक नया मानदंड स्थापित किया है। आज पूरा देश चुनावी हिंसा से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ा है। विगत कुछ वर्षों में देश के सामने कई ऐसी समस्याएं थीं, जिनका हम दशकों से सामना कर रहे थे। इनमें से कुछ क्षेत्र आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माने जाते थे। कश्मीर, पूर्वोत्तर और लाल आतंक से प्रभावित क्षेत्र-इन तीनों हॉटस्पॉट में आज शांति का माहौल है, विकास का वातावरण बना है और ये क्षेत्र अब देश के अन्य हिस्सों के साथ विकास की प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। गृह मंत्री ने कहा,कश्मीर में आतंकवाद पर लगभग पूरी तरह अंकुश लगाने में हमें सफलता मिली है। कई दशकों तक हजारों लोगों की जान लेने वाले संघर्ष के बाद आज पूरा पूर्वोत्तर शांति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। वहीं, पांच दशक पुरानी और अनेक राज्यों में फैली नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने में हमारे पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों को बड़ी सफलता मिली है।

नक्सलवाद के दंश से बाहर आना प्रदेश के लिए गौरव की बात : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश में ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को मिलने वाली एक करोड़ रुपये की सहायता राशि अब केवल पत्नी को नहीं, बल्कि उनके बुजुर्ग माता-पिता को भी दी जाएगी। सरकार ने सहायता राशि का 50 फीसदी शहीद की पत्नी और 50 फीसदी नके बुजुर्ग माता-पिता को देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित समारोह में संबोधित करते हुए यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश का 35 साल पुराने नक्सलवाद के दंश से बाहर आना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश ने इस चुनौती पर विजय प्राप्त की है। इस लड़ाई में पुलिस जवानों ने कठिन परिस्थितियों का सामना



किया और अपने प्राणों की आहुति भी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा ने बताया कि एक सितंबर, 2025 से 31 अगस्त, 2026 के बीच मध्य प्रदेश पुलिस के 9 अधिकारी-कर्मचारी कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, समर्पण और त्याग का संकल्प है। शहीदों के परिवार पुलिस परिवार का हिस्सा हैं और उनका ध्यान रखना पुलिस विभाग की नैतिक जिम्मेदारी है। डीजीपी ने हॉक फोर्स के दिवंगत निरीक्षक आशीष शर्मा के बलिदान का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि आशीष शर्मा लंबे समय तक बालाघाट के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात रहे और कई मुठभेड़ों में वीरता और सूझबूझ का परिचय दिया। उनके बलिदान के बाद मध्यप्रदेश पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियानों को और गति दी। डीजीपी के मुताबिक, वर्ष 2025 नक्सल विरोधी अभियानों की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। मानसून के दौरान भी अभियान जारी रहे। इसी वर्ष सबसे अधिक मुठभेड़ और आत्मसमर्पण हुए। इस दौरान 110 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिए गए। दिवंगत निरीक्षक आशीष शर्मा के भाई को अनुकंपा नियुक्ति भी दी गई है। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस ने कार्ययोजना तैयार कर अभियान चलाया। उनके अनुसार, मध्य प्रदेश 11 दिसंबर 2025 को देश का पहला नक्सल मुक्त राज्य बना। डीजीपी ने कहा कि नक्सलवाद लंबे समय तक देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती रहा।

झोपड़ी में आग लगने से पिता-पुत्री समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। भटनी थाना क्षेत्र के नोनापार गांव में मंगलवार-बुधवार की मध्य रात्रि को एक झोपड़ी में आग लगने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक 3 साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। वहीं, इस हादसे में गंभीर रूप से घायल एक महिला को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। आग लगते ही आसपास के लोग आग बुझाने में जुट गए और अग्निशमन टीम को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भटनी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र पुत्र लालचंद्र (32), बालकिशन पुत्र अदालत और जितेंद्र की तीन वर्षीय पुत्री शनि को मृत घोषित कर दिया। वहीं, जितेंद्र की पत्नी लीला की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलने पर देवरिया के एसपी अभिजीत आर. शंकर समेत अन्य पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और घटना की जानकारी ली।

भंडारा में फूड प्वाइजनिंग से 300 लोगों की तबीयत बिगड़ी,अस्पताल में भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के भंडारा जिले के खराशी गांव में नवरात्रि के लिए आयोजित भोजन के बाद करीब 300 लोगों की तबीयत बिग? गई है। बुधवार सुबह कई ग्रामीणों को उल्टी, जी मिचलाने और दस्त की शिकायत होने लगी। स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित लोगों का इलाज शुरू किया। फिलहाल अस्पताल में भर्ती सभी 82 मरीजों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि खराशी निवासी जितेंद्र बोंद्रे ने नवरात्रि के अवसर पर मंगलवार रात को भोजन का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में गांव के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया और भोजन किया। करीब 300 लोग प्रभावित हुए और बुधवार सुबह से ही कई लोगों को उल्टी, जी मिचलाने और दस्त जैसी शिकायतें होने लगीं। एक साथ कई लोगों के बीमार पड़ने की सूचना मिलने के बाद प्रभावित ग्रामीणों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कुल 82 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इनमें 36 महिलाएं भी शामिल हैं। इनमें भंडारा अस्पताल में 11 मरीज, पलांदूर अस्पताल में 51 मरीज और खराशी अस्पताल में 20 मरीजों का इलाज जारी है। जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों की टीम खराशी पहुंची। अन्य प्रभावित लोगों को भी आवश्यकता के अनुसार चिकित्सा सहायता दी जा रही है।

राष्ट्र विरोधी किसी भी मंसूबे को सफल नहीं होने देगी मोदी सरकार : भाजपा



रामायण का उदाहरण देते हुए भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने साधा विपक्ष पर निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी दलों और विभिन्न आंदोलनों से जुड़े समूहों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ ताकतें भारत की प्रगति रोकने,समाज में विभाजन पैदा करने और भारतीय संस्कृति एवं धर्म के प्रति नफरत फैलाने के एजेंडे पर काम कर रही हैं। पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार राष्ट्र के खिलाफ ऐसे किसी भी मंसूबे को सफल नहीं होने देगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि विजयादशमी के अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश को ऐसी ताकतों के प्रति आगाह किया था। उनके मुताबिक इन ताकतों के तीन प्रमुख उद्देश्य हैं-सत्ता का इस्तेमाल निजी लाभ और लूट के लिए करना, समाज में आपसी मतभेद पैदा करना तथा भारतीय संस्कृति और धर्म के प्रति नफरत फैलाना। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ समूह सनातन धर्म को समाप्त करने और हिंदुत्व को खत्म करने के अभियान चलाते हैं। साथ ही भारतीय संस्थानों को लेकर भ्रामक नैरेटिव फैलाकर देश की प्रगति में बाधा डालने का प्रयास करते हैं। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि इन समूहों की मांगें लगातार बदलती रहती हैं। कभी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को लेकर सवाल उठाए जाते हैं, तो कभी टीकों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और मतदाता सूचियों पर सवाल खड़े किए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक मांग के बाद दूसरी मांग सामने आ जाती है। उन्होंने इसकी तुलना रामायण में रावण के दस सिरों से करते हुए कहा कि एक सिर कटने पर दूसरा सामने आ जाता था। उनके अनुसार अलग-अलग आंदोलनों में बार-बार एक जैसी शब्दावली का इस्तेमाल उनके पीछे किसी साझा उद्देश्य की ओर संकेत करता है। डॉ. त्रिवेदी ने विदेश यात्राओं के बाद दिए जाने वाले कुछ राजनीतिक बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि कभी विदेश से लौटने के बाद 'हाइड्रोजन बम' फोड़ने की बात कही जाती है, तो कभी 'सुनामी' आने का दावा किया जाता है। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के बयानों को भी इसी सिलसिले से जोड़कर देखा। उन्होंने आशंका जताई कि ऐसे बयानों के पीछे अज्ञात और संदिग्ध ताकतें हो सकती हैं, जो सीमा पार से भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही हैं।

रेस कोर्स मस्जिद बेदखली नोटिस पर एआईएमआईएम ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास के पास स्थित ऐतिहासिक रेस कोर्स मस्जिद को छह दिन के भीतर परिसर खाली करने का नोटिस दिए जाने पर विवाद खड़ा हो गया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शोएब जामेई ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए इसे मस्जिद को हटाने की साजिश करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि मस्जिद का उल्लेख वर्ष 1977 के दिल्ली गजट में है और इसके निर्माण तथा प्रबंधन से जुड़ा कामकाज वक्फ बोर्ड के माध्यम से कानून के दायरे में हुआ है। जामेई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो साझा कर कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रेस कोर्स रोड स्थित यह मस्जिद करीब 125 से 150 वर्ष पुरानी है।

विद्यार्थियों की शिक्षण गुणवत्ता में गिरावट गंभीर चिंता का विषय : राहुल गांधी

विदेश जाने की खबर के बीच राहुल ने आईएएस के छात्रों से मुलाकात की

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को यहां विजन आईएएस कोचिंग संस्थान के विद्यार्थियों से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब राजनीतिक गलियारों में राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर होने की चर्चा है। इस मुलाकात के दौरान राहुल के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं। कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए बताया गया कि विद्यार्थियों ने संस्थान में पढ़ाई, मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री की



गुणवत्ता में गिरावट तथा फीस वापसी की मांग पर प्रबंधन की ओर से जवाब नहीं मिलने की शिकायत की। कांग्रेस ने अपने पोस्ट में कहा कि विद्यार्थियों ने शिक्षण की गुणवत्ता, मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री के स्तर में तेज गिरावट को लेकर गंभीर चिंता जताई। कांग्रेस के मुताबिक विद्यार्थियों ने बताया कि फीस वापस करने की उनकी मांग पर संस्थान का प्रबंधन जवाब नहीं दे रहा है। इससे पहले भाजपा ने सोमवार को एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया था कि राहुल गांधी वियतनाम जा रहे हैं। भाजपा ने इस वीडियो के साथ तंज कसते हुए लिखा था कि झूठ फैलाते-फैलाते थकने के बाद वह कुछ दिन घूमने जा रहे हैं। इस वीडियो में राहुल एक हवाई जहाज में बैठे दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद मंगलवार को शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत का एक वीडियो साझा किया था। इसमें राउत कह रहे हैं कि राहुल वियतनाम गए हैं, उनके आने के बात अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस वीडियो को साझा कर सवाल किया गया था कि राहुल वियतनाम में किससे मिलने वाले हैं? देश की सीमाओं के बाहर ऐसी कौन-सी प्लानिंग हो रही है? उनके भारत लौटने के बाद ऐसा क्या बदल जाएगा? पोस्ट में कहा गया था कि आखिर संजय राउत ऐसे बयान क्यों दे रहे हैं?

युवा कलाकारों को प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को ललित कला अकादमी पुरस्कार वितरण के दौरान कहा कि युवा और उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा विकसित करने,कला के नए माध्यम तलाशने और अपनी रचनात्मक क्षमता का विस्तार करने के पर्याप्त अवसर दिए जाने चाहिए। कला को केवल कला दीर्घाओं तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए,बल्कि इसे स्कूलों, विश्वविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और समाज के व्यापक वर्गों तक पहुंचाना चाहिए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के चयनित कलाकारों को ललित कला अकादमी पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने तीसरे प्रिंट बिएननेल इंडिया-2026 के ग्रैंड प्राइज विजेताओं और सम्माननीय उल्लेख पाने वाले कलाकारों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय



संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुरस्कार वितरण समारोह भारत की कलात्मक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और समकालीन रचनात्मकता का उत्सव है। इसके माध्यम से देश की विविध कलाओं की समृद्ध परंपरा,रचनात्मक ऊर्जा और लगातार विकसित हो रही कलात्मक अभिव्यक्तियों का उत्सव मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि कला केवल कैनवास पर बनाई गई पेंटिंग,पत्थर पर उकेरी गई मूर्तियों या अन्य माध्यमों से तैयार कृतियों तक सीमित नहीं है। कला हमारी संस्कृति का प्रतिबिंब है। इसमें अतीत की स्मृतियां,वर्तमान के अनुभव और भविष्य की आकांक्षाएं झलकती हैं। कला हमें अपने समय और समाज को नए दृष्टिकोण से देखने और समझने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों में पारंपरिक कलाकारों को नई तकनीकों और समकालीन कला पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इससे वे अपनी प्रतिभा को व्यापक मंच पर प्रदर्शित कर सकेंगे और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि आज के दौर में कलाकारों को रचनात्मक अवसरों के साथ वित्तीय सहायता,व्यापक बाजार तक पहुंच और कला संग्रहकर्ताओं से जुड़ने के अवसरों की भी जरूरत है। उन्होंने ललित कला अकादमी और संस्कृति मंत्रालय की ओर से कलाकृतियों की बिक्री को प्रोत्साहित करने के प्रयासों पर प्रसन्नता जताई।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

मंदसौर में रावण का दहन नहीं, जमाई मानकर होती है पूजा-अर्चना

मंदोदरी को बहन-बेटी मानता है नामदेव छिपा समाज, दशहरे पर निभाई जाती है अनूठी परंपरा



मंदसौर। देशभर में दशहरे पर असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में रावण के पुतलों का दहन किया जाता है, लेकिन मंदसौर के खानपुरा क्षेत्र में परंपरा इससे अलग है। यहां रावण को जलाने के बजाय जमाई मानकर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। नामदेव छिपा समाज की इस अनूठी मान्यता के पीछे रावण की पत्नी मंदोदरी से जुड़ा पारिवारिक रिश्ता है। समाज के लोग मंदोदरी को अपनी बहन-बेटी मानते हैं और इसी नाते रावण को जमाई का सम्मान देते हैं। यही वजह है कि मंदसौर में दशहरे पर रावण दहन के बजाय उनके प्रतीकात्मक वध की परंपरा निभाई जाती है। खानपुरा में रावण की विशाल प्रतिमा स्थापित है, जहां वर्षों से यह परंपरा चली आ रही है। दशहरे से पहले नगर पालिका द्वारा प्रतिमा का रंग-रोगन कर उसे सजाया जाता है और आकर्षक रोशनी की जाती है। दशहरे के दिन सुबह से ही श्रद्धालु पूजा की थालियां लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ प्रतिमा स्थल पर पहुंचते हैं। यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है और रावण को दशहरा पर्व का निमंत्रण भी दिया जाता है। समाज की मान्यता है कि रावण को भले ही बुराइयों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है, लेकिन वे महान विद्वान और योद्धा भी थे। ऐसे में उन्हें जलाने के बजाय उनके प्रति सम्मान प्रकट करने की परंपरा निभाई जाती है। रावण को जमाई मानने की यह मान्यता स्थानीय सामाजिक परंपराओं में भी दिखाई देती है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, महिलाएं रावण की प्रतिमा के सामने से घूंघट लेकर निकलती हैं। वहीं, प्रतिमा के पैर में लाल धागा, जिसे स्थानीय भाषा में लच्छा कहा जाता है, बांधने से असाध्य रोग दूर होने की मान्यता भी प्रचलित है। खानपुरा के नामदेव छिपा समाज के लोगों के अनुसार, उनके पूर्वज राजस्थान से मंदसौर आए थे। राजस्थान में रहते हुए ही वे मंदोदरी को अपनी बहन-बेटी मानते थे। इसी पारिवारिक मान्यता के चलते रावण को जमाई का दर्जा दिया गया। मंदसौर आने के बाद भी समाज ने इस परंपरा को कायम रखा। समाज की मान्यता के अनुसार, राजस्थान के जोधपुर स्थित मंडोर को मंदोदरी का मायका माना जाता है और यहीं से रावण के साथ उनके विवाह की परंपरा जुड़ी हुई है। मंदसौर की यह परंपरा दशहरे के प्रचलित स्वरूप से अलग है। यहां रावण को केवल पौराणिक पात्र के रूप में नहीं, बल्कि पारिवारिक रिश्ते और स्थानीय आस्था से जुड़े प्रतीक के रूप में देखा जाता है। देश के अधिकांश हिस्सों में जहां दशहरे पर रावण दहन होता है, वहीं खानपुरा में पूजा-अर्चना के माध्यम से समाज अपनी मान्यता और परंपरा को जीवित रखे हुए है। रावण को जमाई मानने की यह परंपरा मंदसौर को दशहरे के अवसर पर एक अलग पहचान देती है।

बिजली कर्मचारियों की 12 मांगें, सात दिन का अल्टीमेटम; समाधान नहीं तो आंदोलन

तकनीकी जांच से पहले एफआईआर पर रोक

मंदसौर। बिजली अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, वृत्त मंदसौर ने बिजली कंपनी के प्रबंध निदेशक को 12 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपकर तकनीकी कर्मचारियों की कमी, दुर्घटनाओं के बाद दर्ज होने वाली एफआईआर और मुआवजे के दबाव सहित विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की है। समिति ने प्रबंधन को सात दिन का समय देते हुए मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर कंपनी मुख्यालय पर आंदोलन की चेतावनी दी है। मांग-पत्र में कहा गया है कि स्वीकृत संगठनात्मक ढांचे के अनुसार तकनीकी कर्मचारियों की पदस्थापना नहीं होने से मैदानी अमले पर काम का दबाव बढ़ रहा है। पर्याप्त स्टाफ, सुरक्षा उपकरण और मेंटेनेंस सामग्री के अभाव में बिजली आपूर्ति बनाए रखने तथा फॉल्ट सुधारने में कठिनाइयां आ रही हैं। समिति ने मांग की है कि विद्युत दुर्घटनाओं में मुख्य विद्युत निरीक्षक की तकनीकी जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदारी तय की जाए और बिना जांच के कर्मचारियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई रोकी जाए। समिति ने दुर्घटनाओं के बाद कर्मचारियों पर व्यक्तिगत रूप से मुआवजा देने के दबाव से संरक्षण, झूठे प्रकरणों में कानूनी सहायता के लिए कंपनी स्तर पर प्रकोष्ठ बनाने तथा स्वीकृत पदों पर नियमित तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति की मांग भी की है। पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए बिना दुर्घटनाओं और रखरखाव संबंधी कमियों के लिए मैदानी कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराने की बात कही गई है। आउटसोर्स कर्मचारियों के संबंध में समिति ने प्रशिक्षित और कुशल कर्मियों से ही तकनीकी कार्य कराने, प्रत्येक तकनीकी आउटसोर्स कर्मचारी का 50 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, आठ घंटे की ड्यूटी और सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित करने की मांग की है। दुर्घटना होने पर संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधियों की तत्काल घटनास्थल पर उपस्थिति और प्रभावित परिवारों की सहायता की जिम्मेदारी भी एजेंसी पर तय करने की मांग रखी गई है।

बिना लाइसेंस खाद बेचने का मामला आया सामने, वायडी नगर पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

मंदसौर। मंदसौर में बिना उर्वरक लाइसेंस के खाद का विक्रय किए जाने का मामला सामने आया है। कृषि विभाग के अधिकारी की शिकायत पर वायडी नगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। पुलिस के अनुसार, उर्वरक निरीक्षक चेतन पाटीदार, पिता मदनलाल पाटीदार (31), वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड मंदसौर ने शिकायत दर्ज कराई कि 19 अक्टूबर 2026 को शाम 7:40 बजे से रात 10:30 बजे के बीच नौगांवा रोड, रेवास देवड़ा स्थित भरत साहुका के किराये के मकान पर रोहित उर्फ मिथलेश कुमार पाठक, पिता राजमणि पाठक, निवासी रेवास देवड़ा को बिना उर्वरक लाइसेंस के खाद का विक्रय करते हुए पकड़ा गया।

दयोदय गौशाला उदयगिरि का 5-जे मॉडल बना पर्यावरण संरक्षण और गौसंवर्धन का अभिनव उदाहरण

विदिशा। विदिशा की दयोदय गौशाला, उदयगिरि द्वारा शुरू किया गया साइलेज निर्माण मॉडल किसानों, गोपालकों तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक अभिनव पहल के रूप में उभर रहा है। गौशाला अध्यक्ष आकाश जैन के नेतृत्व में संचालित 5-जे मॉडल के रूप में विकसित किया गया है, जो पराली प्रबंधन, गौसंवर्धन और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। गौशाला द्वारा दुग्धिया अवस्था की मक्के की फसल से साइलेज तैयार किया जा रहा है। अचार की तर्ज पर तैयार होने वाला यह साइलेज वर्षभर सुरक्षित रहता है और गोवंश के लिए पौष्टिक चारे के रूप में उपयोग किया जाता है। इस व्यवस्था से किसानों को खड़ी फसल का उचित मूल्य मिलने के साथ-साथ खेतों में अवशेष जलाने की आवश्यकता भी समाप्त हो रही है। साइलेज मॉडल के अंतर्गत खेतों से फसल अवशेष हट जाने के कारण भूमि शीघ्र अगली फसल के लिए तैयार हो जाती है। पराली नहीं जलने से भूमि की नमी सुरक्षित रहती है तथा अगली फसल की पलेवा में कम पानी की आवश्यकता पड़ती है। इससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पराली जलाने से भूमि के उपयोगी सूक्ष्म जीव, केंचुए तथा पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। साइलेज मॉडल के माध्यम से अवशेषों का सदुपयोग होने से खेतों की प्राकृतिक उर्वरता एवं जैविक कार्बन संरक्षित रहता है।

पारंपरिक खेल पिट्ठू में मंदसौर का दबदबा, संभाग में पहला स्थान

136 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, देवास दूसरे और नीमच तीसरे स्थान पर



मंदसौर। प्राचीन एवं पारंपरिक खेल पिट्ठू को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय, गांधी चौराहा पर आयोजित प्रथम उज्जैन संभाग स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में संभाग के विभिन्न जिलों के 136 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मुकाबलों में मंदसौर ने प्रथम, देवास ने द्वितीय और नीमच ने तृतीय स्थान हासिल किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा मध्य प्रदेश पिछड़ा मोर्चा के कोषाध्यक्ष धीरज पाटीदार थे। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार लोकेश पालीवाल ने की। विशेष अतिथि पार्षद प्रमिला गोयल, विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र दवे, सुरेश बोराना, जिला पिट्ठू एसोसिएशन अध्यक्ष गौरव अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष विजय कोठारी उपस्थित रहे। धीरज पाटीदार ने कहा कि पिट्ठू जैसे पारंपरिक खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने के साथ सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का माध्यम हैं। लोकेश पालीवाल ने आधुनिक खेलों के साथ पारंपरिक खेलों को भी प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। प्रमिला गोयल ने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को खेल मैदान से जोड़ने में सहायक हैं। जिला पिट्ठू एसोसिएशन अध्यक्ष गौरव अग्रवाल ने अतिथियों, खिलाड़ियों और सहयोगियों का स्वागत करते हुए आयोजन की सफलता के लिए आभार जताया। उज्जैन संभाग एसोसिएशन अध्यक्ष विजय बद्री सिंह कुशवाह ने भी प्रतियोगिता को पारंपरिक खेलों के प्रसार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। जिला एसोसिएशन उपाध्यक्ष विजय कोठारी ने आभार माना। संचालन एसोसिएशन सचिव गगन कुरील ने किया। आयोजन में अशोक गहलोत, सैयद आफताब आलम, घनश्याम पुरोहित, धर्मेंद्र सिंह रानेरा, गोविंद मीणा, हर्ष जोशी, धवल कुमावत, यश हीवे, असमा बी, कृष्णा गढ़िया, दीपेश गहलोत, संदीप आर्य एवं दिव्यांश सोलंकी का सहयोग रहा।

25 अक्टूबर से हरदा, 27 अक्टूबर से सिवनी मालवा,

1 नवंबर से इटारसी एवं 05 नवंबर से सोहागपुर के लिए तवा नहर से पानी छोड़ा जाएगा

संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

हरदा। कलेक्टर कार्यालय नर्मदापुरम में बुधवार को नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री श्रीकांत बनोठ की अध्यक्षता में रबी फसलों की सिंचाई हेतु संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री बनोठ वीसी के माध्यम से जुड़े। इस दौरान डीआईजी श्री वीरेंद्र सिंह, कलेक्टर नर्मदापुरम श्री आशीष वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम श्री साई कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु जैन, संयुक्त आयुक्त (विकास) श्री नवल मीना, जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता श्री राजाराम मीना, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वही हरदा कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, बैतूल कलेक्टर सौरभ संजय सोनवड़े एवं अन्य संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से ऑनलाइन मौजूद थे। संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि हरदा जिले हेतु बायी तट मुख्य नहर से 25 अक्टूबर 2026 को, तवा नहर संभाग सिवनी मालवा की नहर के लिए 27 अक्टूबर 2026 से, तवा परियोजना संभाग इटारसी के लिए 1 नवंबर 2026 से तथा पीबीसी संभाग सोहागपुर नहर से 05 नवंबर 2026 से जल प्रवाह शुरू किया जाएगा। कमिश्नर श्री बनोठ ने कहा कि निर्धारित की गई तिथियों का पर्याप्त रूप से प्रचार करें। ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी करवाई जाए साथ ही अपने स्तर पर भी विभाग सभी किसान संगठनों से समन्वय कर तिथियों से अवगत करावें। इस दौरान जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता श्री राजाराम मीना ने बताया कि तवा जलाशय की वर्तमान जल संग्रहण स्थिति 1700 एमसीएम है जो की उपलब्ध भराव का 87 प्रतिशत है। साथ ही बताया कि वर्तमान में नहरों की साफ सफाई का कार्य निरंतर जारी है। कमिश्नर श्री बनोठ ने जल संसाधन विभाग के उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नहरों से पानी छोड़े जाने के लिए बेहतर प्रबंधन एवं बेहतर सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए की पानी छोड़ने वाले स्थान से लेकर टेल क्षेत्र तक कुछ मुख्य प्वाइंटों पर नहर की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए उन्होंने नहरों की लगातार पेट्रोलिंग किए जाने के निर्देश दिए, साथ ही विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि वह नहर से पानी लेने के लिए किसानों द्वारा जो टेंपरेरी कनेक्शन लिए जाते हैं उन टेंपरेरी कनेक्शन को जल संसाधन विभाग की सहमति के बाद ही जारी किए जाएं। कमिश्नर श्री बनोठ ने स्थानीय स्तर पर सभी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के भी निर्देश दिए। साथ ही कहां कि संबंधित अधिकारी गण नहरों के सुचारु एवं पर्याप्त जल प्रवाह हेतु उपयुक्त प्रबंधन एवं बारीकी से निगरानी करें। कमिश्नर ने बैतूल कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह बैतूल जिले में स्थित जलाशयों के माध्यम से सिंचाई हेतु पानी का उपयोग करने के लिए प्रस्ताव तैयार करें और यथासंभव किसानों को सिंचाई सुविधा हेतु पानी उपलब्ध कराए। कमिश्नर श्री बनोठ ने निर्देशित किया कि राजस्व, पुलिस, विद्युत और जल संसाधन विभाग संयुक्त रूप से सिंचाई हेतु जल आपूर्ति के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। वर्तमान वर्ष में बारिश की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए सभी संबंधित विभाग प्रत्येक परिस्थिति के लिए अलर्ट मोड पर रहें। उन्होंने निर्देशित किया कि कृषि विभाग भी बोवनी के समय को देखते हुए संभाग में खाद की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करें।

पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन, सुरक्षा के संकल्प के साथ हुआ जिम का लोकार्पण

मंदसौर। विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को पुलिस लाइन मंदसौर में पारंपरिक विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजन किया गया। पूजन के दौरान हवन हुआ और सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार भूरे कद्दू (कूष्माण्ड) की बलि भी दी गई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लेकर पर्व की परंपरा का निर्वहन किया। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, कलेक्टर दिव्यांक सिंह, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल और एसडीएम शुभम पाटीदार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद सुधीर गुप्ता ने पुलिस लाइन में नवनिर्मित जिम का लोकार्पण किया। वहीं कलेक्टर दिव्यांक सिंह और पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने पुलिस लाइन परिसर में पुलिस वाहनों का विधि-विधान से पूजन किया। कार्यक्रम में पुलिस बैंड ने भी प्रस्तुति दी। विजयादशमी पर आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस बल ने राष्ट्र और समाज की सुरक्षा के प्रति अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प दोहराया। परंपरागत शस्त्र पूजन के साथ आयोजित कार्यक्रम में पुलिस बल की कर्तव्यनिष्ठा और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश भी दिया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कलेक्टर-कमिश्नर एवं एसपी-आईजी कॉन्फ्रेंस में दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

विदिशा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की अध्यक्षता में आज भोपाल मंत्रालय से कलेक्टर-कमिश्नर एवं एसपी-आईजी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में अधिकारियों के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में आगामी त्योहारों एवं मेला आयोजनों के दौरान कानून व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था एवं आपदा प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की प्रगति, स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन, मौसम परिवर्तन के कारण होने वाली बीमारियों की रोकथाम, वर्षा उपरांत विकास एवं निर्माण कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाने के संबंध में समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती तथा 1 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गोपाल कृष्णम ग्राम पुरस्कार योजना एवं नरवाई प्रबंधन की भी समीक्षा की गई। बैठक के दौरान दीपावली पर्व को लेकर विशेष चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कार्बाइड गन एवं कार्बाइड लैम्प के उपयोग से होने वाली दुर्घटनाओं और संभावित जनहानि को दृष्टिगत रखते हुए इनके उपयोग पर प्रतिबंध संबंधी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बाजारों में विशेष निगरानी रखने तथा आमजन, विशेषकर युवाओं एवं बच्चों को इनके उपयोग से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में विदिशा जिले के एनआईसी वीसी कक्ष से कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, अपर कलेक्टर श्रीमती मीना मसराम, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सुरभि तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

कार्यालय नगरपालिका परिषद,खरगोन,जिला खरगोन म.प्र.

निविदा सूचना क्रमांक /139/एमसीके/15070/ई-टेंडर/2026 — खरगोन,दिनांक 13.10.2026

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

अ.क.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_ 542991_1 Date- 15/10/2026	वार्ड क. 1 टेमला रोड़ स्थित पी.एम.ए.व्हाय आवासीय इकाईयों के पास सिवर लाईन चेम्बर एवं पाइप लाईन कार्य।	01 माह लागत– 151114/–	1000/- 3022/-	29/10/2026 ---------- 5.30 PM
2	2026_UAD_ 542992_1 Date- 15/10/2026	वार्ड क. 4 गौरीधाम कॉलोनी में अजय केशरे के मकान से रिंकु वर्मा के मकान तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य ।	01 माह लागत– 299269/–	2000/- 2992/-	
3	2026_UAD_ 542999_1 Date- 15/10/2026	वार्ड क. 7 जैतापुर में मधुमिलन गार्डन से चम्पालाल के मकान तक एवं राजेश सिराठा के मकान से भावसारजी के मकान तक नाली निर्माण कार्य । (द्वितीय काल)	01 माह लागत– 677878/–	2000/- 6778/-	
4	2026_UAD_ 543002_1 Date- 15/10/2026	वार्ड क. 19 में डॉ. अजय चंदेल के मकान से बलिराम के मकान तक बी.टी. रोड़ निर्माण कार्य। (द्वितीय काल)	01 माह लागत–846354/–	2000/- 8463/-	
5	2026_UAD_ 543077_1 Date- 15/10/2026	वार्ड क. 20 मोतीपुरा में सत्यनारायण मंदिर से संजू वर्मा के होटल तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य। (द्वितीय काल)	02 माह लागत– 841724/–	2000/- 8417/-	
6	2026_UAD_ 543124_1 Date- 15/10/2026	वार्ड क. 31 गांधी नगर में विजय दवे के मकान से डावर सर के मकान तक दोनों साईड एवं डॉ. पाटीदार के मकान से पाटीदार सर के मकान तक नाली निर्माण कार्य ।	01 माह लागत–421401/–	2000/- 4214/-	
7	2026_UAD_ 543126_1 Date- 15/10/2026	वार्ड क. 32 औरंगपुरा चौराहे से डालकी नदी पुलिया तक डामर पेंच रिपेयर कार्य ।	01 माह लागत–847222/–	2000/- 8472/-	

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

(छाया जोशी) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद,खरगोन — (भोलू कर्मा) उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद,खरगोन — (धीरेन्द्र सिंह चौहान) सभापति लो.नि.विद्युत एवं यांत्रिकी नगर पालिका परिषद,खरगोन

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, गुरूवार 22 अक्टूबर 2026

नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं : सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर बलिदान हुए पुलिस कर्मियों को नमन किया। उन्होंने नए उत्तर प्रदेश में आए बदलाव की तस्वीर भी एक्स पर साझा करते हुए कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई भी नहीं है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज पुलिस स्मृति दिवस पर मैं उन सभी वीर पुलिस कार्मिकों को कृतज्ञतापूर्वक नमन करता हूं, जिन्होंने देश की सुरक्षा, समाज की शांति और नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया।

उत्तराखंड के मदरसों में शुक्रवार के बजाय अब रविवार को होगा अवकाश

देहरादून। उत्तराखंड में स्कूल के रूप में मान्यता प्राप्त मदरसों में अब शुक्रवार के बजाय रविवार को साप्ताहिक अवकाश होगा। राज्य सरकार ने इन संस्थानों को शिक्षा विभाग और उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक बयान में कहा कि सरकार सभी बच्चों को समान अवसर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भाजपा के चुनाव मंत्री बन गए हैं : कांग्रेस

आरोप में कहा गृह मंत्री का काम सुरक्षा देखना है,न कि चुनावी रैलियां करना



लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इस बीच कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के यूपी दौरे से लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि अमित शाह अब देश के गृह मंत्री नहीं रहे, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के चुनाव मंत्री या प्रचार मंत्री बनकर रह गए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश की आंतरिक सुरक्षा गंभीर खतरे में है। पूरा मणिपुर जल रहा है, पंजाब नशे की चपेट में है और गुजरात से ड्रग्स की सप्लाई हो रही है। हजारों करोड़ की ड्रग पकड़ी जा रही है, लेकिन लाखों करोड़ की ड्रग देश भर में सप्लाई हो रही है। ऐसे हालात में भी गृह मंत्री को सिर्फ चुनावों की चिंता है। बेहतर होगा कि अमित शाह गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दें और भाजपा के चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालें। राजपूत ने कहा कि गृह मंत्री का काम देश की सुरक्षा देखना है, न कि चुनावी रैलियां करना। जब देश के कई राज्य संकट से गुजर रहे हैं, तब उनका चुनावी अभियान में जुट जाना उनकी प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है। समाजवादी पार्टी प्रमुख द्वारा यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर किए गए बड़े ऐलान, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे हर मुद्दे पर जमीन पर उतरकर लड़ाई लड़ेंगे और जन-मन के मेनिफेस्टो को अगले महीने संविधान दिवस पर जारी करेंगे, इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि सपा प्रमुख को यह कहने का पूरा हक है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन पूरी ताकत के साथ देश में राहुल गांधी के नेतृत्व में और उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में गांव-गांव, नगर-नगर और डगर-डगर जा रहा है। अब यह लड़ाई और तेज होगी। राजपूत ने कहा कि यह लड़ाई वोट चोरों के खिलाफ होगी, संविधान चोरों के खिलाफ तेज होगी। जिन लोगों ने तिरंगा जलाया है, उनके खिलाफ भी यह लड़ाई तेज होगी और जिन लोगों ने युवाओं के रोजगार छीने हैं, उनके खिलाफ भी यह लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ी जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी एआई का दुरुपयोग करके दुनिया भर में विपक्षी नेताओं, चाहे वे राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव, को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि असली रामराज्य हमेशा कांग्रेस के शासन में रहा है। रामराज्य की परिकल्पना वही है जहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी भाई-भाई की भावना से रहते हैं। सांप्रदायिकता में रामराज्य नहीं, बल्कि रावण राज्य होता है। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने रामलीला में कांग्रेस का पुतला जलाने को हिंदू आस्था को आहत करने जैसा बताया था, सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि किसी का भी पुतला जलाना किसी भी रूप में उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि पुतला जलाने और निम्न स्तर के विरोध की शुरुआत आम आदमी पार्टी ने ही की थी।

'नाबालिग' होने की आड़ लेकर नहीं बच सकते माता-पिता : कर्नाटक हाईकोर्ट

तीन लोगों को कुचलने पर हाईकोर्ट सख्त,बोला-गाड़ी कोई खिलौना नहीं



बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने और सड़क हादसों को लेकर बेहद कड़ा और नजीर पेश करने वाला फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मोटर वाहन का स्टीयरिंग किसी बच्चे के हाथ का खिलौना नहीं बन सकता और न ही सार्वजनिक सड़कें ऐसे जानलेवा शौक पूरे करने का खेल का मैदान हैं। इस सख्त टिप्पणी के साथ अदालत ने उस पिता के खिलाफ दर्ज गैर-इरादतन हत्या की कार्यवाही रद करने से साफ इनकार कर दिया, जिसके 14 साल के बेटे ने कार से कुचलकर एक पूरा परिवार खत्म कर दिया था। यह दिल दहला देने वाला हादसा दिसंबर 2020 में पुराने बेंगलुरु-मैसूर रोड पर हुआ था। आरोपी नदीम-उर-रहमान के 14 वर्षीय बेटे ने तेज रफ्तार फॉक्सवैगन वेंटो कार चलाते हुए सड़क पर जा रहे एक दंपत्ति और उनके 5 साल के मासूम बच्चे को जोरदार टक्कर मार दी थी। टक्कर इतनी भयानक थी कि तीनों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह लग्जरी कार नदीम को उनके एंप्लॉयर की तरफ से इस्तेमाल के लिए मिली हुई थी। निचली अदालत से डिस्चार्ज अर्जी खारिज होने के बाद आरोपी पिता नदीम-उर-रहमान ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। उसने अपने खिलाफ आईपीसी की धारा 304 भाग-द्वद्व (गैर-इरादतन हत्या) के तहत दर्ज केस को रद करने की गुहार लगाई थी। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि उसका बेटा उसकी जानकारी के बिना चुपके से कार लेकर निकला था और यह मामला ज्यादा से ज्यादा लापरवाही से गाड़ी चलाने का बनता है, न कि गैर-इरादतन हत्या का। सरकारी वकील ने इस याचिका का कड़ा विरोध करते हुए अदालत में पुख्ता रिकॉर्ड पेश किए। उन्होंने बताया कि जांच से साबित होता है कि पिता ने खुद अपने नाबालिग बेटे को कार की चाबी सौंपी थी और उसे सड़क पर गाड़ी दौड़ाने की खुली छूट दी थी। यही नहीं, आरोपी पिता इससे पहले भी कई मौकों पर अपने कम उम्र के बेटे को इसी तरह वाहन चलाने की अनुमति दे चुका था। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की पीठ ने माता-पिता की जवाबदेही पर सख्त रुख अख्तियार किया। अदालत ने कहा कि जो माता-पिता सब कुछ जानते हुए भी अपने नाबालिग बच्चों के हाथों में गाड़ियों की चाबी थमाते हैं, वे बाद में किसी भयानक हादसे के बाद अपने बच्चे की उम्र का बहाना बनाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि पिता की यह हरकत सिर्फ लापरवाही थी या जानबूझकर किया गया अपराध, इसका फैसला अब ट्रायल कोर्ट में ही होगा।

कॉकरोच का पुतला जलाने पर आप नेता ने की शिकायत दर्ज करने की मांग

दशहरा पर रावण दहन के बाद दिल्ली-एनसीआर में और बढ़ा प्रदूषण स्तर



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पीतमपुरा में रामलीला के आयोजकों के खिलाफ एलजी और दिल्ली पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि कॉकरोच का पुतला जलाए जाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अपनी शिकायत में भारद्वाज ने श्रीकेशव रामलीला कमेटी के आयोजकों दिल्ली के मंत्री और कमेटी के सदस्य कपिल मिश्रा जो इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भी थे और अन्य आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपिल मिश्रा ने आप पर निशाना साधते हुए कहा कि कॉकरोच के पुतले से प्रभावित होने वाले लोग देश की राजनीति के दीमक हैं। दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी इलाके में मंगलवार को दशहरा समारोह के दौरान रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ कॉकरोच के 30 फुट ऊंचे पुतले का भी दहन किया गया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों के बाद कॉकरोच का पुतला जलाए जाने के कार्यक्रम ने ध्यान आकर्षित किया है। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि कॉकरोच का पुतला जलाने का उद्देश्य गंदगी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। वहीं आप नेता सौरभ भारद्वाज ने अपनी शिकायत में कहा कि पारंपरिक पुतलों के साथ कॉकरोच का पुतला जलाने के आयोजकों के फैसले से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया मंचों से इससे संबंधित तस्वीरों, वीडियो और अन्य प्रचार सामग्री को हटाने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई तो वह कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। वहीं दशहरा पर हुए रावण दहन के बाद दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ गया है। बम-पटाखों की धुंध, धूल और शुष्क मौसम ने मिलकर ऐसी घुटन पैदा कर दी है जिससे लोगों का सांस लेना दुश्वार हो रहा है। न आसमान दिखाई दे रहा है न सूर्य की लालिमा, बल्कि दूर दूर तक बस धुंध का गुबार नजर आ रहा है। बुधवार का एक्यूआई स्तर सीवियर केटेगरी में पहुंच गया है।

लड़कियां ही नहीं,लड़के भी हुए बचपन में यौन शोषण के शिकार

दिल्ली के कॉलेज और यूनिवर्सिटी में किया सर्वे में स्टूडेंट्स ने बताई सच्चाई



नई दिल्ली। दिल्ली के अलग-अलग कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं ने एक ऐसा अनोखा सर्वे किया है, जिसे बड़ी से बड़ी संस्था भी नहीं कर सकीं। बता दें कई यूनिवर्सिटी और कॉलेज के स्टूडेंट्स ने बचपन नाम की संस्था के साथ मिलकर दिल्ली के अलग-अलग मेट्रो स्टेशन पर कैंप लगाए, जिसमें कई अलग-अलग खेल रखे, जिसमें उन्होंने कई डिस्पोजल ग्लास पर लिखा 'यौन शोषण के शिकार के मामले में जिसके साथ हुआ है, वही दोषी है'ज्क्या पीरियड्स में लड़कियों को दर्द होता है और इसके साथ ही लिखा कि क्या आपके साथ बचपन में कोई यौन शोषण हुआ है और जिसने किया क्या वह कोई परिचित था या नहीं। ऐसे कई सवाल लिखकर उन्होंने स्टूडेंट्स के सामने रखें। स्टूडेंट्स ने खेल खेल में उन ग्लास को उठाया और अपनी सच्चाई बताई। कई केस ऐसे सामने आए, जिसमें स्टूडेंट्स ने बताया कि बचपन में लड़के और लड़कियों दोनों के साथ यौन शोषण हुआ है। लड़कियां बदनामी के डर से नहीं बता पाईं, जबकि लड़के शर्म की वजह से नहीं बता सके। बचपन इंडिया संस्था और एमिटी यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट जिन्होंने दुर्गाबाई देशमुख मेट्रो स्टेशन पर यह कैंप लगाया था उनसे खास बातचीत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान कई लड़कों ने भी इस खेल में शामिल होकर यह बताया कि उन्हें लगता था कि लड़कियों को पीरियड्स में दर्द नहीं होता है। इस सर्वे में जिस तरह से उनकी काउंसलिंग की गई तो अब उन्हें समझ में आया कि हां पीरियड्स में होने वाला दर्द सच में बहुत ज्यादा होता है, जिसे समझ पाना लड़कों की बस की बात नहीं है। इसके अलावा लड़कों ने यह भी माना कि बचपन में कहीं ना कहीं उनके साथ उनके जानने वालों ने ही यौन शोषण किया है। हालांकि ऐसे लड़कों की संख्या कम थी, जिन्होंने इस मामले पर खुलकर बात की। दिल्ली के अलग-अलग मेट्रो स्टेशन पर यह कैंप लगे गए। उन्होंने अपना कैंप दुर्गाबाई देशमुख पर लगाया है, जिसमें करीब 7 स्टूडेंट उनके साथ अलग-अलग यूनिवर्सिटी और कॉलेज के शामिल हैं। यहां पर सबसे ज्यादा स्टूडेंट आते हैं।

भाजयुमो में शगुन समेत सात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त,मैथिली कार्यकारिणी में शामिल



भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय संगठन में कई राज्यों के नेताओं को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने युवा मोर्चा के राष्ट्रीय संगठन में फेरबदल करते हुए विभिन्न राज्यों के युवा नेताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इसके तहत सात नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और तीन को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है। जम्मू-कश्मीर की विधायक शगुन परिहार और पश्चिम बंगाल के विधायक सौमेन करफा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, बिहार की विधायक और लोक गायिका मैथिली ठाकुर को भाजपा युवा मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वडोदरा से सांसद हेमांग जोशी ने मंगलवार को नवनियुक्त पदाधिकारियों की सूची जारी की। उन्होंने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार ये नियुक्तियां की गई हैं और सभी पदाधिकारी तत्काल प्रभाव से अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए अन्य नेताओं में उत्तर प्रदेश के निखिल मणि तिवारी, नगालैंड के अरविंद दमानी, तेलंगाना की मालोथ कोमाली नाइक, बिहार के राजेंद्र सिंह और छत्तीसगढ़ के भूपेंद्र नाग शामिल हैं। राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर ओडिशा की अर्पिता अपराजिता बडजेना,उत्तर प्रदेश के हर्षवर्धन सिंह और आंध्र प्रदेश के मित्त वामशी कृष्णा को नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय सचिव के रूप में असम के बिस्वजीत खांउड,मध्यप्रदेश के आशीष झाला,महाराष्ट्र की सयाली रघुनाथ कुलकर्णी, राजस्थान के हिमांशु शर्मा, पंजाब के सरदार अरमानजोत बराड़, झारखंड के अमन यादव और बिहार के राहुल झा को जिम्मेदारी दी गई है। उत्तर प्रदेश के विनीत वत्स त्यागी राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राजस्थान के देवव्रत सिंह राजावत राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। संगठन में मीडिया और डिजिटल गतिविधियों के लिए भी नियुक्तियां की गई हैं। बिहार के हिमांशु यादव को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बनाया गया है। दिल्ली की शिवानी सिंह और विशु बसोया तथा हिमाचल प्रदेश के अतुल ठाकुर राष्ट्रीय सह-प्रभारी होंगे। दिल्ली की अपूर्वा सिंह को राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी और बिहार के मानवेंद्र चौहान को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मैथिली ठाकुर समेत 34 सदस्यों को शामिल किया गया है। इनमें उत्तर प्रदेश से पांच सदस्य हैं, जबकि बिहार, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान से दो-दो सदस्य शामिल किए गए हैं।

बंद कोयला खदानों को उपयोगी परिसंपत्तियों में बदलने की नई पहल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार बंद कोयला खदानों की भूमि का वैज्ञानिक तरीके से पुन: उपयोग कर उन्हें पर्यावरण, आजीविका और आर्थिक विकास के लिहाज से उपयोगी परिसंपत्तियों में बदलने की दिशा में काम कर रही है। इस पहल के तहत विकसित डिजिटल टूल 'सुविकल्प' को स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 26 सितंबर को 'डिजिटल परिचालन दक्षता-आंकड़ा आधारित निर्णय' श्रेणी में प्रदान किया गया। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के अधीन कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) ने 'सुविकल्प' नाम से यह डिजिटल टूल विकसित किया है। यह तकनीकी, पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक मानकों के आधार पर बंद खदानों के पुन: उपयोग से जुड़ी परियोजनाओं का मूल्यांकन और उनकी प्राथमिकता तय करने में मदद करता है। परियोजना के चयन के बाद उसके क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रिज्म (पोस्ट-माइनिंग रिपर्पजिंग इम्प्लीमेंटेशन स्ट्रैटेजी मॉडल) का उपयोग किया जा सकता है। इसमें परियोजना की अवधारणा, क्रियान्वयन के तरीके, उदाहरण, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के नमूने, निविदा दस्तावेज और संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाली एजेंसियों की जानकारी उपलब्ध है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 22 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

सपा भी खेल में शामिल

वैसे उत्तर प्रदेश के मुसलमानो के मन में कोई भ्रम नहीं है। वे अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के साथ हैं क्योंकि उनको लग रहा है कि सपा ही इस बार भाजपा से लड़ने वाली मुख्य ताकत है। पिछले लोकसभा चुनाव मे उन्होंने देखा कि भाजपा के समर्थक मतदाताओं में भी अगर भाजपा से नाराजगी होती है तो वे भाजपा को हराने के लिए सपा के साथ जाते हैं। संविधान और आरक्षण पर खतरे से जो वर्ग नाराज हुआ वह भाजपा को हराने के लिए सपा के साथ गया और तभी लोकसभा में सपा 37 सीट जीत कर उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनी। उसके साथ तालमेल का फायदा कांग्रेस को भी हुआ। सो, मुस्लिम मतदाताओं के मन में कोई भ्रम नहीं है। फिर भी कांग्रेस के नेता इस कोशिश में लगे हैं कि किसी तरह से समाजवादी पार्टी के मन में यह आशंका पैदा की जाए कि मुस्लिम कांग्रेस के साथ जा सकता है। इसका मकसद दबाव बना कर विधानसभा की ज्यादा सीटें हासिल करना है। हालांकि सपा को हकीकत पता है। जब लोकसभा चुनाव में मुस्लिम उसके साथ आया तो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ क्यों जाएगा। इसके बावजूद सपा भी इस खेल में शामिल है। सपा ने पिछले दिनों कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के दामाद को अपनी पार्टी में शामिल कराया। इसके जवाब में कांग्रेस ने बसपा और एमआईएम के कई मुस्लिम नेताओं को पार्टी में शामिल कराया है। एमआईएम के मुखर नेता आसिम वकार पिछले दिनों कांग्रेस में शामिल हुए। अब बसपा सरकार में मंत्री रहे इजहारुल हक और 2024 में बसपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़े नईम अहमद को पार्टी में शामिल कराया। इससे पहले पूर्व सांसद आमिर आलम खान और उनके बेटे नवाजिश आलम खान भी कांग्रेस में शामिल हुए। नवाजिश पहले विधायक रह चुके हैं। दोनों पिता पुत्र कई पार्टियों में रहे हैं। आमिर आलम रालोद से कैराना के सांसद रहे हैं।

रिजीम चेंज का वैश्विक खतरा और सरसंघचालक की चेतावनी

डॉ. आनंद सिंह राणा



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में विजयादशमी उत्सव के अवसर पर अपने संबोधन में विविध समसामयिक विषयों पर गहरे और गंभीर विचार व्यक्त करते हुए रिजीम चेंज (सत्ता परिवर्तन) के वैश्विक खतरे से न केवल भारत वरन सम्पूर्ण विश्व को आगाह किया है।सरसंघचालक के रिजीम चेंज के निहितार्थ का व्यापक फलक हैं, जिसके आलोक में अपकारी शक्तियों के उद्देश्य का भयावह स्वरुप स्पष्ट होता है,जहां किसी देश में इन विध्वंसकारी शक्तियों द्वारा विविध प्रकार से अराजकता और आतंक का वातावरण स्थापित कर उस देश की सत्ता परिवर्तन ही नहीं वरन उस देश की सभ्यता,संस्कृति और अस्तित्व का विनाश करना है। अराजकता के व्याकरण पर उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के कथन का संदर्भ देते हुए कहा कि हिंसक और अनियंत्रित विद्रोह समाज में केवल अराजकता फैलाते हैं, कोई सार्थक बदलाव नहीं लाते। मोहन भागवत ने भारत सहित सम्पूर्ण विश्व आगाह किया कि %रिजीम चेंज% (सत्ता या सरकार परिवर्तन) करने से कभी भी परिस्थितियां नहीं बदलती हैं। इतिहास साक्षी है कि इससे कभी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। यह वैश्विक षड्यंत्र का हिस्सा है। उन्होंने दुनिया भर में हो रही उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए कहा कि फ्रांस,अल्बानिया, बांग्लादेश और नेपाल में जो कुछ भी हुआ, वह सब एक सोचे-समझे षड्यंत्र का हिस्सा है। पश्चिम से एक ऐसी आंधी (आसुरी शक्तियां) चली है जो हर प्रकार की व्यवस्था, भद्रता और संस्कारों से नफरत करती है और उसे नष्ट करना चाहती है। भारत मुख्य निशाना है, इसलिए संघ प्रमुख ने चेतावनी दी कि अपने स्वार्थ का पोषण करने वाली कुछ वैश्विक ताकतें भारत की प्रगति से परेशान हैं और उन्होंने भारत को अपने निशाने पर ले लिया है। वे नहीं चाहतीं कि भारत इतना शक्तिशाली बने कि उनके वर्चस्व को चुनौती दे, इसलिए भारत, हिंदू समाज और संघ को कमजोर व विभाजित करने के लिए ऐसी कोशिशें (सत्ता परिवर्तन के प्रयास) भारत में भी की जा रही है। इसलिए बांग्लादेश की तरह भारत में भी %रिजीम चेंज% कराने और इसे तोड़ने के प्रयास चल रहे हैं, लेकिन भारत में ऐसा होना संभव नहीं है। उक्त सन्दर्भ में उन्होंने आंदोलनों के राजनीतिकरण पर कहा कि समाज में समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन होने चाहिए, लेकिन आज के दौर में विरोध-प्रदर्शनों को राजनीतिक हितों को साधने और समाज में विभाजन पैदा करने का जरिया (हथियार) बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दशकों में भारत जिस दृढ़ नीति और पक्के नेतृत्व के साथ आगे बढ़ा है, उसकी वजह से ऐसी हरकतों पर रोक लगी है। शक्तिशाली नेतृत्व के कारण बाहरी शक्तियों की खेल बंद हो गए हैं, इसलिए भारत में सत्ता परिवर्तन कभी नहीं होगा। सरसंघचालक मोहन भागवत के रिजीम चेंज की चेतावनी को भारत सहित संपूर्ण विश्व को बहुत गंभीरता लेने का समय आ गया है। गौरतलब है कि रिजीम परिवर्तन (शासन परिवर्तन) को वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए एक बड़ा खतरा माना जाता है, विशेष रूप से तब जब यह बाहरी ताकतों के हस्तक्षेप, सैन्य कार्रवाई या हिंसक भीड़तंत्र के माध्यम से किया जाए। यद्यपि , लोकतांत्रिक देशों में शांतिपूर्ण और संवैधानिक रूप से चुनाव के जरिए सत्ता बदलना नागरिकों का अधिकार है,परन्तु जबरन थोपा गया रिजीम चेंज अकसर देशों को तबाह कर देता है। जब किसी देश की स्थापित सरकार को अचानक या हिंसक तरीके से हटाया जाता है, तो वहां एक सत्ता का खालीपन पैदा हो जाता है। इतिहास गवाह है कि इराक, लीबिया और अफगानिस्तान जैसे देशों में बाहरी हस्तक्षेप से हुए रिजीम चेंज के बाद वहां लोकतंत्र आने के बजाय दशकों लंबा गृहयुद्ध शुरू हो गया और आतंकवाद को बढ़ावा मिला। हाल के वर्षों में कई देशों में हिंसक प्रदर्शनों के जरिए तख्तापलट या रिजीम चेंज की कोशिशें देखी गई हैं। जब भीड़ संसद या सरकारी कार्यालयों पर कब्जा कर लेती है, तो वह लोकतंत्र नहीं बल्कि अराजकता और भीड़तंत्र का रूप ले लेती है, जिससे आम नागरिकों का जीवन और देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर जाती है। वैश्विक विचारकों और नीति विशेषज्ञों (जैसे ङ्खद्बद्यद्य स्रू2 स्रद्धश्रश्चद्य की रिपोर्ट्स) का मानना है कि किसी भी देश में परिवर्तन आंतरिक, क्रमिक और संवैधानिक तरीकों से ही होना चाहिए। जबरन या अराजक तरीके से किया गया %रिजीम चेंज% अधिकांश मामलों में सुधार लाने के बजाय स्थिति को और अधिक विनाशकारी बना देता है। विश्व राजनीति में %रिजीम चेंज% (सत्ता परिवर्तन) का भयावह खेल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद आरंभ हुआ, जब विश्व दो ध्रुवों क्रमशः संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ समर्थक देशों में बट गया और दोनों खेमों के मध्य शीत युद्ध प्रारम्भ हुआ।शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और सोवियत संघ जैसी महाशक्तियों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई देशों में तख्तापलट और आंतरिक विद्रोहों को समर्थन दिया था।हाल के दशकों में भी इराक, लीबिया और अन्य देशों में %लोकतंत्र की स्थापना% या %मानवाधिकारों की रक्षा% के नाम पर हुए सैन्य हस्तक्षेपों को आलोचक %रिजीम चेंज% की नीति का हिस्सा मानते हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रिजीम चेंज के लिए डिजिटल प्रोपेगैंडा और नैरेटिव प्रमुख साधन बन रहे हैं। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया, फेक न्यूज और प्रोपेगैंडा के जरिए किसी भी देश के भीतर अस्थिरता पैदा करना आसान हो गया है। इसे %हाइब्रिड वॉरफेयर% कहा जाता है, जहां हथियारों के बिना ही किसी देश की व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। यह कहना कि पूरी विश्व में एक ही केंद्र से कोई साझा षड्यंत्र चल रहा है, एक बड़ी परिकल्पना हो सकती है। परन्तु ,फिर भी यह पूरी तरह सच है कि शक्तिशाली देश और वैश्विक समूह हमेशा अपने लाभ के लिए कमजोर देशों की सत्ता और नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करते आ रहे हैं। %रिजीम परिवर्तन% के विश्वव्यापी षड्यंत्र को लेकर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग दृष्टिकोण और दावे सामने आते रहे हैं। परन्तु सच तो ये है कि वैश्विक स्तर पर %डीप स्टेट% और शक्तिशाली देश इसमें संलिप्त हैं। ऐतिहासिक और समकालीन राजनीतिक परिचर्चाओं में संयुक्त राज्य अमेरिका और उसकी खुफिया एजेंसी सी.आई.ए. पर दुनिया के विभिन्न देशों में अपनी पसंद की सरकारें लाने या विरोधी सरकारों को अस्थिर करने के आरोप लगते रहे हैं।

> अराजकता के व्याकरण पर उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के कथन का संदर्भ देते हुए कहा कि हिंसक और अनियंत्रित विद्रोह समाज में केवल अराजकता फैलाते हैं, कोई सार्थक बदलाव नहीं लाते। मोहन भागवत ने भारत सहित सम्पूर्ण विश्व आगाह किया कि रिजीम चेंज (सत्ता या सरकार परिवर्तन) करने से कभी भी परिस्थितियां नहीं बदलती हैं। इतिहास साक्षी है कि इससे कभी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। यह वैश्विक षड्यंत्र का हिस्सा है। उन्होंने दुनिया भर में हो रही उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए कहा कि फ्रांस,अल्बानिया, बांग्लादेश और नेपाल में जो कुछ भी हुआ, वह सब एक सोचे-समझे षड्यंत्र का हिस्सा है। पश्चिम से एक ऐसी आंधी (आसुरी शक्तियां) चली है जो हर प्रकार की व्यवस्था, भद्रता और संस्कारों से नफरत करती है और उसे नष्ट करना चाहती है। भारत मुख्य निशाना है, इसलिए संघ प्रमुख ने चेतावनी दी कि अपने स्वार्थ का पोषण करने वाली कुछ वैश्विक ताकतें भारत की प्रगति से परेशान हैं और उन्होंने भारत को अपने निशाने पर ले लिया है। वे नहीं चाहतीं कि भारत इतना शक्तिशाली बने कि उनके वर्चस्व को चुनौती दे, इसलिए भारत, हिंदू समाज और संघ को कमजोर व विभाजित करने के लिए ऐसी कोशिशें (सत्ता परिवर्तन के प्रयास) भारत में भी की जा रही है।

राशिफल



मेष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशीप करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। नवविवाहित दंपति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

कर्क राशि : आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरी होने से मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। लवमेट आज अपने रिश्ते के बारे में घरवालों को बताएंगे, घरवाले इस पर विचार करेंगे। इस राशि के जो लोग कोई शॉप चला रहे हैं आज उनको अच्छा मुनाफा होगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका कोई पुराना दोस्त आपको फोन करके आपको सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जतायेंगे। किसी काम में सफलता आज आपके कदम चूमेगी।

कन्या राशि : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। आप घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है।

तुला राशि : आज आपको किसी अपने से कोई अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये हैं। आज आपको वे लोग ज्यादा महत्व देंगे जो आपको हर मामले में कम समझते थे। इस राशि की महिलाएं अपने कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगी। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, कोई नया केस हाथ लगेगा। दांपत्य जीवन में खुशहाली आएगी, जीवनसाथी के साथ कोई मूवी देखने का मन बनायेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए हर मायने में बढ़िया रहने वाला है। आपकी किसी परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे, आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपने पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। कोई रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढेगी। बडे बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी तारीफ करेंगें।

पोषण पुनर्वास केंद्र से लौट रही बच्चों के चेहरे की मुस्कान

बढ़ता वजन सिर्फ तराजू पर बढ़ती संख्या नहीं, लौटती ताकत, मुस्कान और बचपन की कहानी है बचपन यानी खेलना, दौड़ना, हंसना, सीखना और सपने देखना। लेकिन जब कोई बच्चा कुपोषण की गिरफ्त में आता है तो कमजोरी उसके शरीर के साथ उसके सामान्य बचपन को भी प्रभावित करने लगती है। ऐसे बच्चों को समय पर उपचार और पोषण देकर स्वस्थ जीवन की ओर वापस लाने में पोषण पुनर्वास केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के बीच सरगुजा जिले के शासकीय रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) से सामने आ रही बच्चों की कहानियां इसी बदलाव की तस्वीर पेश करती हैं। यहां कुपोषित बच्चों को चिकित्सकीय देखभाल और पोषण पुनर्वास के साथ माता-पिता को भी बच्चे के खान-पान और देखभाल से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी जा रही है। यहां किसी बच्चे का बढ़ता हुआ वजन महज तराजू पर बदलता आंकड़ा नहीं है। उसके पीछे बच्चे की बेहतर होती पोषण स्थिति, माता-पिता की उम्मीद और स्वास्थ्यकर्मियों की सतत देखभाल जुड़ी है। यह उस बचपन को वापस पाने की कोशिश है, जिसे कुपोषण ने कमजोर कर दिया था। कुपोषण केवल कम वजन की समस्या नहीं कुपोषण को केवल बच्चे के दुबले या कमजोर दिखाई देने तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। गंभीर कुपोषण बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता और वृद्धि-विकास को प्रभावित कर सकता है। लंबे समय तक पर्याप्त पोषण नहीं मिलने का असर बच्चे के शारीरिक विकास के साथ सीखने और सामान्य गतिविधियों में उसकी भागीदारी पर भी पड़ सकता है। यही कारण है कि कुपोषण की समय पर पहचान और उपचार महत्वपूर्ण है। बच्चे को उचित पोषण और चिकित्सकीय देखभाल देकर स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाना उसके वर्तमान स्वास्थ्य के साथ भविष्य में निवेश भी है। जहां उपचार के साथ लौटता है बचपन पोषण पुनर्वास केंद्र गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के उपचार और पोषण पुनर्वास की महत्वपूर्ण व्यवस्था है। यहां बच्चे की स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति की निगरानी, आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल और पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के साथ माता-पिता को बच्चे की देखभाल तथा खान-पान से जुड़ी जानकारी भी दी जाती है। इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल बच्चे का वजन बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाना और परिवार को ऐसी जानकारी देना भी है जिससे घर लौटने के बाद बच्चे के पोषण का



बेहतर ध्यान रखा जा सके। 20 बिस्तरों का केंद्र, सैकड़ों बच्चों के लिए उम्मीद शासकीय रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर में संचालित 20 बिस्तरों वाला पोषण पुनर्वास केंद्र कुपोषित बच्चों और उनके परिवारों के लिए उम्मीद का केंद्र बन रहा है। वर्ष 2021-22 में यहां 189 बच्चों के उपचार के साथ दर्ज दर 73 प्रतिशत थी। अप्रैल से सितम्बर 2026 की अवधि में 248 बच्चों के उपचार के साथ यह दर बढ़कर 88 प्रतिशत दर्ज की गई है। इन आंकड़ों के पीछे उन परिवारों की अनेक कहानियां हैं जो अपने कमजोर बच्चे को लेकर चिंता के साथ केंद्र पहुंचे और उपचार एवं पोषण पुनर्वास के बाद बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद लेकर घर लौटे। शिवाशी, रश्मि, प्रतीक और युवराज के बढ़ते वजन में दिखी उम्मीद केंद्र में उपचार प्राप्त करने वाले बच्चों के रिकॉर्ड इस बदलाव को और स्पष्ट करते हैं। शिवाशी का वजन 7.6 किलोग्राम से बढ़कर 8.840 किलोग्राम, रश्मि का 9.3 किलोग्राम से 10.720 किलोग्राम, प्रतीक का 8.5 किलोग्राम से 9.370 किलोग्राम तथा युवराज का वजन 12 किलोग्राम से बढ़कर 13.980 किलोग्राम दर्ज किया गया। ये आंकड़े केवल वजन में आए बदलाव को नहीं बताते, बल्कि उपचार और पोषण पुनर्वास के बाद बेहतर वृद्धि की दिशा में बच्चों के बढ़ते कदमों की तस्वीर भी प्रस्तुत करते हैं। हर बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति अलग होती है और केवल वजन बढ़ने के आधार पर संपूर्ण स्वास्थ्य का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। इसके बावजूद नियमित निगरानी में वजन और वृद्धि में सुधार बच्चे की पोषण स्थिति का आकलन करने के महत्वपूर्ण संकेतकों में शामिल हैं। बढ़ता वजन यानी लौटती उम्मीद कुपोषण से कमजोर बच्चा कई बार अपनी उम्र के दूसरे बच्चों की तरह सामान्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी नहीं कर पाता। बीमारी और कमजोरी परिवार की चिंता भी बढ़ाती है। ऐसे में उपचार और उचित पोषण के बाद जब बच्चे की स्थिति में सुधार दिखाई देता है, तो यह पूरे परिवार के लिए राहत लेकर आता है। माता-पिता के लिए बच्चे का स्वस्थ होना किसी आंकड़े से कहीं अधिक मायने रखता है। इसीलिए पोषण पुनर्वास केंद्र में किसी बच्चे का बढ़ता वजन केवल तराजू पर बढ़ती संख्या नहीं है। वह बच्चे की बेहतर होती पोषण स्थिति के साथ परिवार में लौटती उम्मीद की कहानी भी है। अस्पताल से घर तक जारी रहती है सुपोषण की यात्रा एनआरसी में उपचार पूरा होना महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन बच्चे को कुपोषण से दूर रखने की जिम्मेदारी इसके बाद भी जारी रहती है। घर लौटने के बाद उम्र के अनुसार पर्याप्त और विविध आहार, स्वच्छता, बीमारी के दौरान उचित देखभाल तथा बच्चे की वृद्धि की नियमित निगरानी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए एनआरसी में माता-पिता को बच्चे के पोषण और देखभाल से संबंधित व्यवहार की जानकारी देना उपचार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उद्देश्य यह है कि परिवार स्वयं भी बच्चे की पोषण स्थिति को बेहतर बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी करे। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग सहित संबंधित अमले का समन्वय इस व्यवस्था को और मजबूत बनाता है। एक ओर स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार एवं पोषण पुनर्वास और दूसरी ओर समुदाय स्तर पर आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से निगरानी और मार्गदर्शन—दोनों मिलकर कुपोषण के विरुद्ध प्रभावी व्यवस्था तैयार करते हैं। स्वस्थ बच्चा यानी स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव बच्चे के जीवन के शुरुआती वर्ष उसके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। पर्याप्त पोषण मिलने पर बच्चा स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ता है, अधिक सक्रिय रह सकता है और सीखने तथा सामाजिक गतिविधियों में बेहतर भागीदारी कर सकता है। इसलिए किसी बच्चे को कुपोषण से बाहर निकालने का प्रयास केवल वर्तमान बीमारी या कमजोरी का उपचार नहीं है। यह उसके बेहतर बचपन और भविष्य को मजबूत करने की दिशा में किया गया निवेश भी है। स्वस्थ और सुपोषित बच्चे ही स्वस्थ समाज और मजबूत मानव संसाधन की नींव बनते हैं। कुपोषण से लड़ाई अस्पताल से घर की थाली तक कुपोषण से मुकाबला केवल अस्पताल के बिस्तर पर नहीं किया जा सकता। इसकी सफलता बच्चे की घर की थाली, माता-पिता की जागरूकता, आंगनबाड़ी की निगरानी, स्वास्थ्यकर्मियों की सलाह और समय पर उपचार की संयुक्त व्यवस्था पर निर्भर करती है। पोषण पुनर्वास केंद्र की वास्तविक सफलता भी इसी में है कि उपचार के बाद बच्चा बेहतर पोषण स्थिति के साथ घर लौटे और परिवार उन व्यवहारों को अपनाए जो उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद करें। अम्बिकापुर के एनआरसी में बच्चों के उपचार और पोषण पुनर्वास के साथ परिवारों को जागरूक करने का प्रयास इसी सोच को आगे बढ़ा रहा है। हर बच्चे को मिले स्वस्थ बचपन का अवसर कुपोषण किसी बच्चे की पहचान नहीं है। यह ऐसी स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी स्थिति है, जिसकी समय पर पहचान, उपचार और निरंतर देखभाल से बच्चे को स्वस्थ वृद्धि की राह पर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा सकता है। सेवा संकल्प अभियान के बीच अम्बिकापुर के पोषण पुनर्वास केंद्र की ये कहानियां बताती हैं कि सेवा का सबसे मानवीय रूप तब दिखाई देता है, जब कमजोर बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार आता है और परिवार के चेहरे पर चिंता की जगह उम्मीद लौटती है। 20 बिस्तरों वाला यह केंद्र इसलिए केवल एक स्वास्थ्य सुविधा नहीं है। यहां उपचार पाने वाला हर बच्चा कुपोषण से सुपोषण, कमजोरी से बेहतर स्वास्थ्य और मुश्किलों से खुशहाल बचपन की ओर बढ़ती एक नई कहानी है। और जब किसी बच्चे का वजन बढ़ता है, उसकी सक्रियता लौटती है और परिवार उसे फिर स्वस्थ होते देखता है, तब सेवा का वास्तविक अर्थ सामने आता है— बढ़ता वजन सिर्फ तराजू पर बढ़ती संख्या नहीं, बल्कि लौटती ताकत, मुस्कान और बचपन की कहानी है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 22 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

आयुष्मान खुराना के साथ मुपापा में नजर आएंगी अभिनेत्री श्रेया चौधरी, वाईआरएफ लगाएगा बड़ा दांव



अभिनेता आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्म मुपापा' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री श्रेया चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। श्रेया को बंदिश बैंडिट्स' और द मेहता बॉयज' जैसे धारावाहिकों के जरिए दर्शकों के बीच पहचान मिली है। अब वह बड़े पर्दे पर आयुष्मान के साथ जोड़ी बनाती दिखाई देंगी।इसी साल जुलाई में आयुष्मान खुराना के मुपापा' से जुडने की खबर सामने आई थी। फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षय विधानी इसके निर्माता हैं, जबकि फिल्म का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं।श्रेया चौधरी का फिल्म से जुडना उनके अभिनय करियर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। डिजिटल मंच पर अपने काम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के बाद अब वह यशराज फिल्म्स की आगामी रोमांचक फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। बताया गया है कि यशराज फिल्म्स की प्रतिभा प्रबंधन शाखा ने श्रेया को विशेष प्रबंधन के लिए अनुबंधित भी किया है। इससे उनके पेशेवर सफर में एक नया अध्याय जुड़ गया है।मुपापा' को निर्माताओं ने एक अलग तरह की सिनेमाघर केंद्रित फिल्म बताया है। फिल्म की कहानी और प्रस्तुति को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन निर्माताओं का दावा है कि यह दर्शकों को नया दृश्य अनुभव देगी और कहानी की शुरुआत से अंत तक उन्हें बांधे रखेगी।फिल्म के निर्माण में यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स का साथ आना भी इसे खास बनाता है। आयुष्मान खुराना की फिल्मों में आमतौर पर अलग विषय और कहानी देखने को मिलती है। ऐसे में मुपापा' में उनकी भूमिका और श्रेया चौधरी के साथ उनकी जोड़ी को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है।निर्माताओं ने मुपापा' की प्रदर्शन तिथि भी घोषित कर दी है। यह फिल्म 19 फरवरी 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म की कहानी और कलाकारों से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा आने वाले दिनों में किए जाने की उम्मीद है। वहीं, आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्मों में सूरज बडज़ात्या के निर्देशन में बन रही ये प्रेम मोल लिया' भी शामिल है। इस फिल्म को लेकर भी अभिनेता के प्रशंसकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है।

'बिग बॉस 20' में पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री को लेकर चर्चा तेज, शैनन के का नाम आगे

सलमान खान के लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में पहली वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी की एंट्री को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। 6 सितंबर 2026 से शुरू हुआ यह शो अपना पहला महीना पूरा कर चुका है और अब तक तीन प्रतियोगी रोहैद खान, ईशा रिखी और रिति तिवारी घर से बेघर हो चुके हैं। करीब तीन महीने तक चलने वाले इस शो में अब दर्शकों को पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री देखने को मिल सकती है। इस कड़ी में अंतरराष्ट्रीय गायिका और अभिनेत्री शैनन के का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है।



शैनन के मशहूर गायक कुमार सानू की बेटी हैं। वह भारतीय संगीत जगत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं। शैनन का जन्म और पालन-पोषण विदेश में हुआ, लेकिन उन्होंने भारत से भी अपने करियर का मजबूत जुड़ाव बनाए रखा है।कुमार सानू ने दो शादियां की थीं। उनकी पहली शादी से गायक जान कुमार सानू हैं। वहीं, दूसरी पत्नी के साथ उन्होंने एक बेटी को गोद लिया था, जिसका नाम शैनन के है। शैनन ने संगीत और अभिनय के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।शैनन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गायिका, गीतकार और अभिनेत्री के रूप में काम कर चुकी हैं। उन्होंने भारत के अलावा लंदन और लॉस एंजिल्स में भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने अपने संगीत करियर की शुरुआत पॉप गीत 'अ लॉन्ग टाइम' से की थी।पिछले कुछ वर्षों में शैनन ने 'गिव मी योर हैंड', 'रन', 'एंटीडोट', 'ओटीटी' और 'नॉट माई शेड' जैसे कई गीत जारी किए हैं। वर्ष 2025 में उन्होंने प्रतिष्ठित कोचेला संगीत समारोह में प्रस्तुति देकर भी सुर्खियां बटोरी थीं। इसके अलावा वह लंदन के प्रसिद्ध रॉयल अल्बर्ट हॉल में भी प्रस्तुति दे चुकी हैं।शैनन की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके यूट्यूब चैनल पर 15 लाख से अधिक सदस्य हैं। संगीत के अलावा उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में भी काम किया है।शैनन ने हिंदी फिल्म 'चल जिंदगी' में अभिनय किया था। इसके अलावा वह अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी- द ग्रेट' के लिए भी अपनी आवाज दे चुकी हैं। ऐसे में यदि शैनन 'बिग बॉस 20' में वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश करती हैं तो यह उनके प्रशंसकों के लिए भी खास मौका होगा।हालांकि, शो में उनकी वाइल्ड कार्ड एंट्री को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिलहाल शैनन के नाम की चर्चा जोरों पर है और दर्शकों की नजरें निर्माताओं की अगली घोषणा पर टिकी हैं।

'हनुमान अंश' की कमाई ने रचा इतिहास, 1.8 करोड़ के बजट में 323 करोड़ से ज्यादा का मुनाफा, दुनियाभर में 425.52 करोड़ का कारोबार

विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन और शोभिनव सत्या के अभिनय से सजी 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसने फिल्म कारोबार के जानकारों को भी हैरान कर दिया है। नीम करौली बाबा के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित यह भक्ति प्रधान फिल्म महज 1.8 करोड़ रुपये के बजट में तैयार की गई थी। शुरुआत में फिल्म की रफ्तार बेहद धीमी रही, लेकिन तीसरे सप्ताह के बाद इसके कारोबार में अचानक जबरदस्त उछाल आया।रिलीज के पहले दिन फिल्म ने महज 10 लाख रुपये का कारोबार किया था। शुरुआती दो सप्ताह तक कमाई की रफ्तार धीमी रहने के कारण इसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली फिल्म माना जा रहा था। हालांकि, तीसरे सप्ताह से फिल्म ने ऐसी गति पकड़ी कि इसके कारोबार ने लगातार नए रिकॉर्ड बनाने शुरू कर दिए।रिलीज के 61वें दिन तक 'हनुमान अंश' ने भारत में 326.48 करोड़ रुपये और दुनियाभर में 425.52 करोड़ रुपये का सकल कारोबार कर लिया है।

'हनुमान अंश' ने मुनाफे के मामले में हिंदी सिनेमा में एक बड़ा रिकॉर्ड कायम किया है। करीब 1.8 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने अब तक 323.68 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया है। इसके आधार पर फिल्म की निवेश पर वापसी करीब 17,982.22 प्रतिशत बताई जा रही है।

बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ के पार हुई दृश्यम 3, 5वें दिन किया बंपर कारोबार



बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग के बाद, अजय देवगन की क्राइम थ्रिलर फिल्म दृश्यम- द कन्क्लूजन ने आखिरकार 200 करोड़ रुपये का शानदार आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म अपनी रिलीज के 5 दिन पूरे कर चुकी है और आगे की उड़ान भरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, पिछले दिनों की तुलना में हर दिन आंकड़ों में गिरावट आई है, लेकिन इसका असर फिल्म के कलेक्शन पर नहीं पड़ा। आइए जानते हैं फिल्म की कुल कमाई।

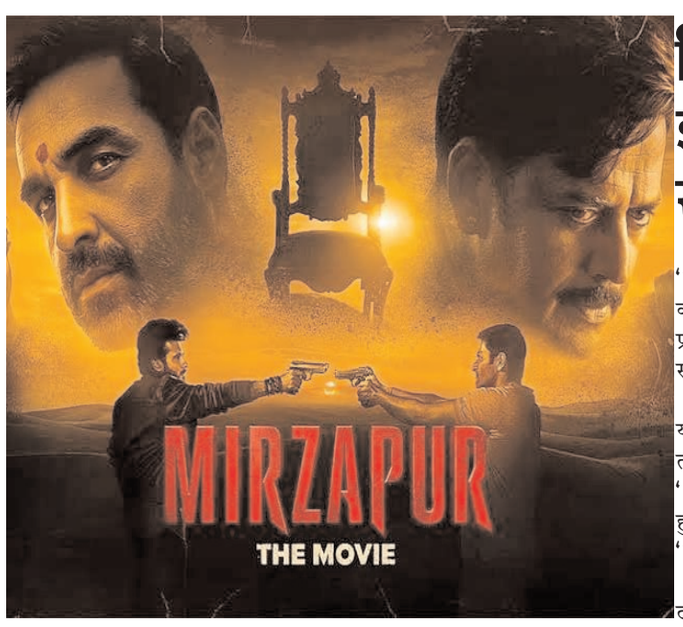
सैकनिल्क के मुताबिक, दृश्यम 3 ने रिलीज के 5वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 19 करोड़ रुपये कमाए हैं।

इसने चौथे दिन 21 करोड़, तीसरे दिन 61 करोड़, दूसरे दिन 53.50 करोड़ और पहले दिन 62 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जिससे घरेलू स्तर पर कुल नेट कलेक्शन 216.50 करोड़ रुपये हो गया है।

विदेशों में, फिल्म ने 5वें दिन 9.50 करोड़ कमाते हुए कुल 81.50 करोड़ जुटा लिए हैं। इससे वर्ल्डवाइड कलेक्शन 341.30 करोड़ रुपये हो गया है।

दृश्यम 3 के साथ अजय ने अपने करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म दी है, जिसने 62 करोड़ की नेट कमाई के साथ सिंघम अगेन (43.50 करोड़) का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया।

अब उनका अगला लक्ष्य इसके लाइफटाइम कलेक्शन (करीब 268.35 करोड़) को पीछे छोड़ना होगा। वहीं, सबसे बड़ा लक्ष्य तन्हाजी- द अनसंग वॉरियर की कमाई (279.59 करोड़) को पीछे छोड़ना होगा।



मिर्जापुर द मूवी ने ओवरसीज में रचा इतिहास, बॉर्डर 2 को दी मात, बनाया साल 2026 का इतना बड़ा रिकॉर्ड

पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा सहित कई चर्चित कलाकारों से सजी फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर चुकी है। घरेलू बाजार में मजबूत कमाई करने वाली इस अपराध-रोमांच फिल्म का विदेशों में भी प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। फिल्म का विदेशी सिनेमाघरों में प्रदर्शन अब समाप्त हो गया है और इसके साथ ही इसने अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक नया मुकाम हासिल किया है।

'मिर्जापुर द मूवी' ने विदेशों में 61 करोड़ रुपये की सकल कमाई की है। इस प्रदर्शन के साथ यह वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्मों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, फिल्म से आगे केवल 'धुरंधर 2' और 'भूत बंगला' हैं।61 करोड़ रुपये की विदेशी कमाई के साथ 'मिर्जापुर द मूवी' ने वर्ष 2026 में रिलीज हुई कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें 'बॉर्डर 2', 'कॉकटेल 2', 'हनुमान अंश' और 'वेलकम टू द जंगल' सहित कुल सात फिल्में शामिल हैं।

फिल्म की विदेशी बाजार में सफलता को इसकी लोकप्रियता और 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी के प्रति दर्शकों की मजबूत रुचि से जोड़कर देखा जा रहा है। भारत के साथ-साथ विदेशों में भी फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला।'मिर्जापुर द मूवी' का निर्माण करीब 90 करोड़ रुपये के बजट में किया गया है। फिल्म ने घरेलू बाजार में भी शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में इसकी कुल कमाई 336 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। फिल्म के कारोबार को देखते हुए इसे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी व्यावसायिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

फिल्म ने भारत में ओटीटी से जुड़े चर्चित कथानक और पात्रों को बड़े पर्दे पर लाने वाली फिल्मों के लिए भी एक नया मानदंड स्थापित किया है। फिल्म की 159.02 प्रतिशत वापसी को भी इसकी व्यावसायिक सफलता का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

महिलाओं को पूरे शरीर में होता है पुरुषों से ज्यादा दर्द, अध्ययन में हुआ खुलासा



दर्द हर किसी को हो सकता है और उसकी तीव्रता लोगों में अलग-अलग होती है। हालांकि, अब एक अध्ययन से सामने आया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को पूरे शरीर में ज्यादा दर्द होता है। इस अध्ययन के दौरान हर तरह के दर्द को ध्यान में रखा गया था। इसने यह चिंता बढ़ा दी है कि महिलाओं को उनके दर्द का निवारण करने के लिए दवाइयों की सही डोज भी दी जाती है या नहीं।

लाखों लोगों ने लिया था इस अध्ययन में हिस्सा

स्वास्थ्य के क्षेत्र में खासा महत्व रखने वाले दुनिया भर के शोधकर्ताओं ने दर्द से जुड़ी महामारी विज्ञान के क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े अध्ययन को पूरा किया है।

इसके लिए 1990 से 2025 के बीच 118 देशों के 60 लाख से ज्यादा लोगों से डेटा इकट्ठा किया गया, जिसमें 5 साल से लेकर 100 साल से ज्यादा उम्र के लोग शामिल थे।

11 अंगों में महिलाओं को होता है पुरुषों से ज्यादा दर्द

अध्ययन में पाया गया कि शरीर के 11 हिस्सों में महिलाओं द्वारा बताए गए दर्द का स्तर पुरुषों की तुलना में ज्यादा था। इनमें सिर, चेहरा, गर्दन या कंधा, पैर या टखना, हाथ या कलाई, कोहनी, छाती, पीठ, पेट, कूल्हा और घुटने शामिल थे।

यह बात खास तौर पर सिरदर्द, चेहरे और पेट के दर्द के मामले में सच साबित हुई। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन अंगों के दर्द से महिलाओं को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है।

उम्र का भी होता है दर्द से संबंध

दोनों लिंग में 55 साल की उम्र से पहले दर्द में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह 75 साल या उससे ज्यादा की उम्र में अपने चरम पर पहुंच गई थी।

सामने आया कि जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती गई, वैसे-वैसे पीठ, कूल्हे और घुटने के दर्द में भी इजाफा होता गया। अध्ययन के लेखकों ने कहा, इससे पता चलता है कि जीवन भर के दर्द का एक बड़ा हिस्सा कामकाजी उम्र के दौरान पैदा होता है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

अध्ययन के आंकड़े बताते हैं कि 40 प्रतिशत प्रतिभागियों ने पीठ दर्द की शिकायत की। वहीं, चेहरे का दर्द सबसे कम, यानी 2 प्रतिशत मामलों में देखा गया।

सबसे कम मानव विकास सूचकांक वाले इलाकों वाले लोग बुढ़ापे में सबसे ज्यादा दर्द से जूझते दिखाई दिए। उनमें बुढ़ापे में पीठ के निचले हिस्से में दर्द की दर दोगुनी थी।

तेज दर्द का स्तर लगभग 50 तक पहुंचा, जबकि पूरे शरीर में होने वाले दर्द का स्तर लगभग 70 तक रहा।

क्यों बढ़ता है दर्द?

अध्ययन के मुताबिक, दर्द की 18.3 प्रतिशत समस्या धूम्रपान, मोटापे और घर की कम आय की वजह से थी। महिलाओं में 55 की उम्र से पहले, यानी काम, देखभाल और बच्चे पैदा करने के सालों के दौरान दर्द सबसे तेजी से बढ़ता है।

मीठा खाने का शौक है? इन तरीकों से मीठा खाएं, नहीं बढ़ेगा ज्यादा वजन

ज्यादातर लोगों को मीठा खाना पसंद होता है, लेकिन जब मीठे का सेवन बढ़ जाता है तो इससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि मीठे से पूरी तरह परहेज किया जाए। अगर आप अपनी पसंदीदा मिठाइयों का स्वाद बिना ज्यादा वजन बढ़ाए लेना चाहते हैं तो आज हम आपको इसके लिए कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप मीठा खाने का पूरा मजा ले पाएंगे।

घर पर बनाएं मिठाई

बाजार में मिलने वाली ज्यादातर मिठाइयों में नकली रंग, फ्लेवर और प्रिजरवेटिव होते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।इसके अलावा इनमें चीनी की मात्रा भी ज्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ता है। ऐसे में बेहतर है कि बाजार की बजाय घर पर बनी मिठाइयों का सेवन करें।घर पर आप कम चीनी या फिर चीनी रहित चीजों से मिठाई बना सकते हैं। इससे आप स्वाद और सेहत दोनों का ख्याल रख सकते हैं।

मेवे और सूखे मेवों का करें इस्तेमाल

अगर आप घर पर मिठाई बनाते हैं तो उसमें चीनी की जगह मेवे और सूखे मेवे का इस्तेमाल करें।

उदाहरण के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर गुड़ की चाशनी बनाकर उसका इस्तेमाल कर सकते हैं।



इसके अलावा आप सूखे मेवों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सूखे मेवे प्राकृतिक मिठास से युक्त होते हैं और इनमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रख सकते हैं।

फल भी है मीठे का अच्छा विकल्प

फल भी मीठा खाने की इच्छा को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

हालांकि, कई लोग फलों को सलाद के तौर पर खाना पसंद करते हैं, लेकिन फलों को सलाद में मिलाने से उनका स्वाद कम हो जाता है। ऐसे में आप फलों की खीर, हलवा और कस्टर्ड आदि बनाकर खा सकते हैं।

यह तरीके आपके मीठे की चाहत को भी पूरा करेंगे और सेहत को भी नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

डार्क चॉकलेट भी है अच्छा विकल्प

अगर आप चॉकलेट के शौकीन हैं और उसकी वजह से आपका वजन बढ़ रहा है तो डार्क चॉकलेट का सेवन करना शुरू कर दें।डार्क चॉकलेट में शक्कर की मात्रा कम होती है और यह एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती है।

इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व शरीर में चर्बी के अवशोषण को कम कर सकते हैं। यह मीठे की चाहत को पूरा करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 22 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

भारतीय जेम्स बांड डोभाल से डरा पाकिस्तान, आंतरिक अस्थिरता या हमले के लिए जिम्मेदार

लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मजहर जमील ने लगाया आरोप



इस्लामाबाद। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल (एनएसए डोभाल) को लेकर पाकिस्तान में अक्सर भय और चिंता का माहौल दिखाता है, जहाँ कई लोग किसी भी आंतरिक अस्थिरता या हमले के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराते हैं। इसी कड़ी में, पाकिस्तान के परमाणु हथियारों से जुड़े एक वरिष्ठ सलाहकार ने भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नेशनल कमांड अथॉरिटी (एनसीए) के सलाहकार, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मजहर जमील ने भारत पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे आतंकवादी संगठनों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सीधे तौर पर डोभाल सिद्धांत का कार्यान्वयन करार दिया है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करना है। लंदन में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) में जमील ने आरोप लगाया कि भारत अपनी नीति के तहत आंतकवाद का निर्यात कर रहा है और पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के सिद्धांत को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। अपने दावों का समर्थन करने के लिए, उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला दिया, जिसमें 1971 में मुक्ति वाहिनी और 1980 के दशक में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) को भारत द्वारा कथित समर्थन शामिल है। जमील ने 2001 से 2014 के बीच अफगानिस्तान में इंटरनेशनल सिक्योरिटी असिस्टेंस (आईएसएफ) के दौरान अफगान-पाकिस्तान सीमा पर भारत द्वारा छह वाणिज्य दूतावास संचालित करने का भी जिक्र किया। जमील ने भारत पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिसका अर्थ है कि ये मिसाइलें परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के वॉरहेड ले जा सकती हैं। हालांकि, यह दावा पूरी तरह से निराधार है, क्योंकि ब्रह्मोस मिसाइलें केवल पारंपरिक वॉरहेड ले जा सकती हैं और वे भारत की सामरिक बल कमान का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल इसी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने दक्षिण एशिया को परमाणु तबाही के कगार पर पहुंचा दिया था, और यह केवल पाकिस्तान के रणनीतिक संयम के कारण ही स्थिति को बिगड़ने से बचाया जा सका। जमील ने स्वीडिश थिंक टैंक स्विपी के आकलन का हवाला देकर संकेत दिया कि भारत परमाणु पनडुब्बी से लांच होने वाली मिसाइलों (एसएलबीएम) को तैनात करके पहले हमला करने की क्षमता विकसित कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने अब अपने कुछ परमाणु वॉरहेड को पनडुब्बी से लांच होने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ जोड़ दिया है।



इंडोनेशिया के समुद्री क्षेत्र में एक नाम में लगी आग बुझाती हुई बचाव व राहुत दल की नौकाएं।

फ्रांस दंगों में 54 संगठनों की भूमिका का दावा, भारतीय विचारक भी निशाने पर

पेरिस। फ्रांस में हालिया विरोध प्रदर्शनों के दंगों में बदलने और बड़े पैमाने पर हिंसा के पीछे 54 संगठनों और उनके अंतरराष्ट्रीय समर्थक नेटवर्क का हाथ होने का दावा सामने आया हैं। मीडिया रिपोर्ट इन घटनाओं की जटिलता को दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे नेटवर्क में कम्युनिस्ट और सोशलिस्ट समूह, छात्र संगठन, ट्रेड यूनियन, फिलिस्तीन समर्थक समूह और कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान शामिल हैं, जिन्होंने फ्रांस को प्रभावित करने वाले प्रदर्शनों में कथित रूप से भूमिका निभाई। रिपोर्ट में भारतीय मूल के वामपंथी विचारक और लेखक विजय प्रसाद का विशेष रूप से उल्लेख है। विजय प्रसाद ट्राइकॉन्टिनेंटल नामक संस्था के कार्यकारी निदेशक हैं, इस संस्था को अमेरिकी मूल के कारोबारी नेविल रॉय सिंघम से वित्तीय सहायता मिलने की बात कही गई है। प्रदर्शनों के दौरान प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पेरिस-नई दिल्ली-ब्यूनस आयर्स लिखकर अलग-अलग देशों के आंदोलनों के बीच समानता जाहिर की थी, जिसे मीडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शनों को समर्थन देने के उदाहरण के रूप में पेश किया है। इंडियन अलायंस पेरिस नाम के फ्रांस स्थित भारतीय समुदाय के संगठन का भी उल्लेख है, जिसने फ्रांस और भारत में युवाओं के आंदोलनों के बीच संपर्क स्थापित करने की कोशिश की। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने वामपंथी राजनीतिक दल ला फ्रांस इंसौमिस (एलएफआई) पर प्रदर्शनों का राजनीतिक फायदा उठाने और अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है। हालांकि, रिपोर्ट सीधे तौर पर हिंसा भड़काने में सभी 54 संगठनों की भूमिका साबित नहीं करती, बल्कि उनके प्रदर्शनों में शामिल होने और समर्थन देने के जुड़ाव को दिखाती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि किसी संगठन का प्रदर्शन में शामिल होना, समर्थन देना या वीडियो साझा करना अपने आप में हिंसा कराने का प्रमाण नहीं है। ये प्रदर्शन मूल रूप से शिक्षा व्यवस्था, महंगाई और सरकारी नीतियों को लेकर शुरू हुए थे, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सा लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाएं भी हुईं, जिससे इन विरोध प्रदर्शनों का स्वरूप बदल गया।

ईरान में मुनीर को झटका: मध्यस्थता की कोशिशें विफल

तेहरान। तेल की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि और पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल तथा ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को ईरान में करारा झटका लगा है। कच्चे तेल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने से पाकिस्तान पहले से ही गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान की सेना प्रमुख आसिम मुनीर तेहरान में मध्यस्थता के लिए पहुंचे थे, लेकिन ईरान ने उनकी पूरी तरह अनदेखी की है। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने आसिम मुनीर से मुलाकात करने से साफ इनकार कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, रेजाई ने स्पष्ट कहा कि अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम का एक ग्राम भी पाकिस्तान से बाहर नहीं भेजा जाएगा। ईरानी अधिकारियों को संदेह है कि पाकिस्तान अमेरिका के समर्थन में काम कर रहा है, जिसके कारण उन्होंने इस्लामाबाद की मध्यस्थता की भूमिका पर भी अविश्वास जताया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ, जब मुनीर अमेरिका और ईरान के बीच समझौते कराने की दिशा में प्रगति के प्रयासों के तहत ईरान के दौरे पर थे। ईरान के इस रुख से तेहरान के भीतर बातचीत के जरिए समाधान निकालने की संभावनाएं कमजोर पड़ती दिख रही हैं।

भारत ने अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर की प्रतिबंध की मांग

जिनेवा। अंतरिक्ष के बढ़ते सैन्यीकरण और इसके हथियारकरण से जुड़े गंभीर जोखिमों के बीच भारत ने बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर रोक लगाने के लिए एक व्यापक और कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि अपनाने की वकालत की है। राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने हाल ही में कहा कि भारत एक ऐसे कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज को प्राथमिकता देता है, जो सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य हो, सत्यापन योग्य हो और बहुपक्षीय बातचीत से तय किया गया हो। उन्होंने जोर दिया कि बाहरी अंतरिक्ष की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरों, गलतफहमी और गलत आकलन के जोखिमों के साथ-साथ अंतरिक्ष में बल प्रयोग क्या माना जाएगा, इन सभी पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए।

देश की नकारात्मक छवि बनाने वाले आरोपों व अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल ना हो

जेनेवा। भारत ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर संयुक्त राष्ट्र की आलोचना का जवाब दिया है। भारत ने चेतावनी दी है कि देश की नकारात्मक छवि पेश करने के लिए बिना पुष्टि वाले आरोपों और अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग, बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी और शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर पाबंदियों को लेकर चिंता जताई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में बोलते हुए, विदेश मंत्रालय की उप सचिव बरखा ताम्रकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ भारत का जुड़ाव बातचीत, परामर्श, सहयोग, गैर-चयनात्मकता और पारदर्शिता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ जुड़ता है, लेकिन इस जुड़ाव का आधार संवाद, परामर्श, सहयोग, निष्पक्षता और पारदर्शिता जैसे सिद्धांत होने चाहिए। उन्होंने सदस्य देशों को आगाह किया कि वे रिपोर्ट में दी गई बातों से आगे बढ़कर कोई निष्कर्ष न निकालें। उन्होंने कहा कि हम प्रतिनिधिमंडलों से आग्रह करते हैं कि वे रिपोर्ट का सही संदर्भ में हवाला दें, किसी मानवीय मुद्दे से जुड़ी जानकारी को एक अंतिम फैसले का रूप न दें। भारत ने कहा कि वह उचित दस्तावेजों के साथ सामने आने वाले विशिष्ट मामलों पर, तय प्रक्रियाओं के जरिए चर्चा करने को तैयार है। हालांकि भारत ने उन कोशिशों का कड़ा विरोध किया, जिनमें बिना पुष्टि वाले आरोपों, अधूरे आंकड़ों या ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल करके दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की जाती है, जिनमें भारत से जुड़ी कोई ठोस टिप्पणी नहीं होती।

सूडान में ड्रोन हमले: 160 से अधिक नागरिकों की जान गई, बच्चे सहित लोग निशाने पर

सूडान। सूडान में अप्रैल 2023 से सेना और अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच जारी गृहयुद्ध अब लोगों के लिए अत्यंत घातक मोड़ ले चुका है। हाल के दिनों में हुए भीषण ड्रोन हमलों में 160 से अधिक लोगों की जान गई है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। ये हमले भीड़भाड़ वाले बाजारों, बस स्टॉप और विस्थापित लोगों के ठिकानों को किए गए हैं, जिससे मानवीय त्रासदी और गहरी हो गई है। सबसे ज्यादा मौतों की खबर दक्षिण-पश्चिमी सूडान के वेस्ट कोर्डोफान राज्य के अल-दिबाब शहर से आई है। यहां रविवार शाम एक बाजार के पास बस स्टॉप पर हुए ड्रोन हमले में करीब 80 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, और गंभीर रूप से घायल 47 लोगों में से 30 ने बाद में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 110 हो गई। नागरिक हिंसा पर नज़र रखने वाले संगठन इमरजेंसी ने हमले के लिए सूडानी सेना को जिम्मेदार ठहराया है। इसी तरह, सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर स्थित विवादित अबेई क्षेत्र में सोमवार को एक बाजार पर हुए ड्रोन हमले में भी लगभग 73 लोग मारे गए। इस हमले का आरोप भी सूडानी सेना पर लगाया जा रहा है।

उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव फिर खतरनाक स्तर पर



दक्षिण कोरिया ने कहा- वह अपनी सीमा की सुरक्षा से जुड़े कदमों से पीछे नहीं हटेगा

प्योंग यान। कोरियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सीमा पर सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने और दक्षिण कोरिया के खिलाफ प्रोपेगेंडा अभियान दोबारा शुरू करने की धमकी दी है। इसके जवाब में दक्षिण कोरिया के शीर्ष सैन्य अधिकारी, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल जिन योंग-सुंग ने अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों को किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा जवाब देने का निर्देश दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने सीमा पर टकराव का खतरा बढ़ा दिया है। किम यो जोंग ने धमकी देते हुए सीमा के हालात को बेहद अस्थिर बताया और दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्योंगयांग दक्षिण कोरिया के खिलाफ सीमा पर प्रचार अभियान फिर से शुरू करने और ज्यादा सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने पर विचार कर रहा है। उत्तर कोरिया की इस चेतावनी के बाद दक्षिण कोरिया ने साफ कर दिया कि वह अपनी सीमा की सुरक्षा से जुड़े कदमों से पीछे नहीं हटेगा। दोनों देशों के बीच मौजूदा विवाद 21 सितंबर को सीमा के पास हुए एक माइन विस्फोट के बाद और बढ़ गया, जिसमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हुए थे। सोल ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने सीमा के दक्षिणी हिस्से में माइंस बिछाई थीं, हालांकि प्योंगयांग ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, इस साल उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पर किलेबंदी का काम करते समय सैन्य सीमांकन रेखा का करीब 50 बार उल्लंघन किया है। दक्षिण कोरिया ने इन घटनाओं के दौरान चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं और लाउडस्पीकर के जरिए संदेश प्रसारित किए, जिसे उत्तर कोरिया उकसावे वाला बता रहा है। उत्तर कोरिया की धमकियों के बाद दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने गंभीर चिंता जताई। मंत्रालय ने कहा कि सैन्य सीमांकन रेखा के पास चेतावनी के तौर पर गोली चलाना और प्रसारण करना रक्षात्मक उपाय हैं, जिनका मकसद उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा पार करने से रोकना है। दक्षिण कोरिया ने चेतावनी दी कि अगर उत्तर कोरिया इन कदमों को आगे किसी उकसावे की कार्रवाई का बहाना बनाता है, तो उसे निर्णायक जवाब दिया जाएगा। प्योंगयांग से सीमा उल्लंघन रोकने और तनाव कम करने के लिए बातचीत की कोशिशों का जवाब देने की अपील की गई है।

किशार ने ट्रक पर फायरिंग की फिर स्कूल में घुसकर तीन बच्चों व टीचर की कर दी हत्या

वाशिंगटन। अमेरिका के ओरेगन राज्य के बेंड शहर में एक स्कूल में एक किशोर ने तीन बच्चों और एक शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी किशोर का नाम ग्रिफिन जे. जॉन द्वितीय बताया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा और हथियारों तक आसानी से पहुंच के मुद्दे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि वारदात में इस्तेमाल की गई शॉटगन उसकी मां शॉन्टाई निकर्सन ने अगस्त 2026 में कानूनी रूप से खरीदी थी और जन्मदिन के तोहफे के रूप में अपने बेटे को दी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मां ने यह बंदूक बेटे को मनोरंजन के लिए इस्तेमाल करने के मकसद से दी थी, लेकिन इसका परिणाम घातक निकला। पुलिस के मुताबिक इस हमले में पांच साल के रोआम समर, 8 और 11 साल के दो अन्य बच्चों के साथ-साथ 25 साल की शिक्षिका मेगन लैम्बर्ट की जान चली गई। हमले में 7 साल की एक बच्ची और 54 साल की एक शिक्षिका भी घायल हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक घटना पिछले गुरुवार को हुई, जब जॉन द्वितीय ने स्कूल पहुंचने से पहले सड़क से गुजर रहे एक पिकअप ट्रक पर गोली चलाई।

संक्षिप्त समाचार

पाक एयरलाइन में बड़ा घोटाला, 20 कर्मचारियों ने प्रीमियम सीट बुकिंग में की हेराफेरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस में प्रीमियम सीटों की बुकिंग को लेकर घोटाला सामने आया है। लाहौर एयरपोर्ट पर 20 से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों पर एयरलाइन को 50 लाख पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा का चूना लगाने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक ये कर्मचारी यात्रियों से प्रीमियम, एक्स्ट्रा-लेगरूम और बल्कहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे, लेकिन एयरलाइन के रिकॉर्ड में इन सीटों को सामान्य दिखाकर रकम को कंपनी के खाते में जमा नहीं करते थे। यह हेराफेरी मई 2024 और 2025 के रिकॉर्ड की जांच के दौरान सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर फाइनेंस एंड ऑडिट कमिटी ने इन वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाया। ऑडिट में खुलासा होने के बाद अब इन कर्मचारियों के वेतन से 50,60,269 पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा की रकम काटकर पीआईए के खाते में जमा कराई जा चुकी है। पीआईए पहले से ही आर्थिक नुकसान, कुप्रबंधन और सरकारी मदद पर अत्यधिक निर्भरता के लिए जानी जाती है। एयरलाइन को लंबे समय से हो रहे घाटे के कारण इसके निजीकरण की प्रक्रिया भी चल रही है। हालांकि, निजीकरण की शर्तों पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि सरकार ने पीआईए की करीब 650 अरब रुपए की पुरानी देनदारियों को एक होल्डिंग कंपनी में डाल दिया था, ताकि खरीदार को पुराने कर्ज का बोझ न उठाना पड़े। इस कदम की आलोचना करने वालों का कहना है कि पुराने कर्ज का बोझ अंतत: जनता पर ही रहेगा। ऐसे समय में जब पीआईए अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है और निजीकरण की राह पर है, प्रीमियम सीटों की कमाई में इस तरह की गड़बड़ी एयरलाइन की आंतरिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाती है।

नेपाल में भारत के प्रियागोल्ड बिस्किट पर लगाया बैन, बाजारों से वापस बुलाई खेप

काठमांडू। नेपाल ने भारत की सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड द्वारा बनाए प्रिया गोल्ड बिस्किटों के आयात, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। यह कड़ा फैसला भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की जांच में कंपनी के परिसर में खाद्य सुरक्षा और साफ-सफाई से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आने के बाद लिया गया। नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग ने इन बिस्किटों को तय गुणवत्ता मानकों से नीचे बताते हुए बाजार से इनकी खेप तुरंत वापस मंगाने के निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफएसएसएआई ने सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड के खिलाफ जांच के बाद कंपनी का लाइसेंस निलंबित कर दिया है और कानूनी कार्रवाई भी शुरू की गई है। नियामक ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि प्रियागोल्ड बिस्किट बनाने में मवेशियों के चारे में इस्तेमाल होने वाली ब्रान यानी चोकर का इस्तेमाल किया गया था। इसके अतिरिक्त, निरीक्षण के दौरान कई अन्य गंभीर उल्लंघनों का भी पता चला। भारतीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण की कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद नेपाल के खाद्य विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रियागोल्ड बिस्किटों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला विभाग के महानिदेशक की अध्यक्षता में हुई आपातकालीन ऑनलाइन बैठक में लिया गया। विभाग ने लोगों की सेहत की सुरक्षा और ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है। इस फैसले का सीधा असर उन कारोबारियों पर पड़ेगा जो नेपाल में इन बिस्किटों का आयात या बिक्री करते हैं। विभाग ने सभी संबंधित एजेंसियों, व्यापारियों और ग्राहकों से कहा है कि वे प्रियागोल्ड बिस्किटों का आयात न करें और बाजार में इनकी बिक्री और वितरण तत्काल बंद करें। यह घटना भारत के खाद्य सुरक्षा मानकों और निर्यातित उत्पादों की गुणवत्ता पर सवाल उठाती है, जबकि नेपाल ने अपने नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए त्वरित कदम उठाए हैं।

होर्मुज से गैस आपूर्ति प्रभावित होने से पाकिस्तान का गहराया ऊर्जा संकट

इस्लामाबाद। अमेरिका-ईरान के बीच जारी संघर्ष और होर्मुज से गैस की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण पाकिस्तान एक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। एलएनजी की कमी के चलते देश को सर्दियों में अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से महंगी कीमतों पर एलएनजी खरीदनी पड़ सकती है। पाकिस्तान एलएनजी लिमिटेड के प्रमुख मसूद नबी ने चेतावनी दी है कि यदि आपूर्ति में बाधाएं बनी रहीं, तो आने वाले सर्दियों के महीने देश के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण साबित होंगे। एलएनजी गैस की कमी से बिजली उत्पादन के लिए कोयले और तेल जैसे दूसरे ईंधनों का इस्तेमाल बढ़ रहा है। इससे पहले से ही प्रदूषण की मार झेल रहे लाहौर और पंजाब के दूसरे शहरों में जहरीले स्मॉग का संकट और गहरा सकता है। पाकिस्तान की एलएनजी आपूर्ति का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों, खासकर कतर से आता है, लेकिन मिडिल ईस्ट में संघर्ष की वजह से होर्मुज से एलएनजी की ढुलाई प्रभावित हुई है। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उसे सर्दियों में गैस की जरूरत पूरी करने के लिए महंगे विकल्पों पर निर्भर होना पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2026 से फरवरी 2027 के बीच आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्पॉट मार्केट से एलएनजी के 10 अतिरिक्त कार्गो खरीदने पड़ सकते हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 अरब डॉलर से अधिक होगी। स्पॉट मार्केट से खरीदी जाने वाली गैस की कीमत कतर से मिलने वाली एलएनजी की तुलना में लगभग दोगुनी हो सकती है, जो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा वित्तीय बोझ साबित होगा। यदि प्रमुख आपूर्तिकर्ता देशों से गैस की आपूर्ति बाधित हो जाए या समुद्री मार्गों से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो, तो उसका असर बिजली, उद्योग, घरेलू जरूरतों और सरकारी वित्त पर एक साथ पड़ सकता है।

विजयदशमी पर ईरान ने भारत को दी बधाई, बुराई के अंधकार को अच्छाई के प्रकाश से दूर करें

तेहरान। ईरान ने विजयदशमी पर भारत को शुभकामनाएं देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर अनोखे और दिलचस्प अंदाज में तंज कसा है। भारत में ईरानी दूतावास ने एक्स पर एक तस्वीर साझा की, जिस पर लिखा था- जब ट्रंप को आखिरकार अपनी गलती का एहसास होता है। इस पोस्ट के जरिए ट्रंप को प्रतीकात्मक रूप से रावण के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत के भारतीय त्योहार के प्रतीक का उपयोग करता है। संदेश में ईरान ने भारत के लोगों को दशहरे की शुभकामनाएं दीं और कहा कि बुराई के अंधकार को हमेशा अच्छाई का प्रकाश दूर करे और सत्य, साहस व सद्भावना की जीत हो। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूतावास ने उम्मीद जताई कि यह त्योहार भारत में शांति, समृद्धि, आपसी मेलजोल और खुशियां लेकर आएगा। यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य और आर्थिक टकराव जारी है, जिससे यह प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश और भी अहम हो जाता है। ऐसे में ट्रंप को लेकर साझा की गई तस्वीर के जरिए ईरान ने अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश देने की कोशिश की है कि ट्रंप उसके मामलों में गलत हैं और ईरान सही है। यह तस्वीर अमेरिका के प्रति ईरान के विरोध और तंज वाले मीम की सीरीज का हिस्सा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब भी गंभीर बना हुआ है। ऐसे गंभीर भू-राजनीतिक माहौल में ईरान का यह प्रतीकात्मक और तंजपूर्ण संदेश सुर्खियां बटोर रहा है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

न्यूजीलैंड में पिछले सात साल से कोई टी20 नहीं हारी है भारतीय टीम



मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम अभी न्यूजीलैंड दौरे पर है। इस दौरे में वह गुरुवार से पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मैच में उतरेगी। इस सीरीज को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतना रहेगा। इस दौरे से ठीक पहले एक ऐसा आंकड़ा सामने आया है जिससे भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। वह ये है कि कि भारतीय टीम पिछले सात साल से न्यूजीलैंड में कोई भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं हारी है। भारतीय टीम को साल 2019 के बाद से ही न्यूजीलैंड में एक भी टी20 मैच में हार नहीं मिली है, जिससे खेल में उसके दबदबे का अंदाजा होता है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना अंतिम टी20 मैच साल 2026 टी20 विश्व कप फाइनल में खेला था, तब उसे खिताबी जीत मिली थी। न्यूजीलैंड में भारतीय टीम का टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह रिकॉर्ड दिखता है कि वह मेजबान टीम पर हावी रही है। वहीं अगर भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आंकड़ों की बात करें तो दोनों देशों के बीच अब तक कुल 31 मैच खेले गए हैं। इन मुकाबलों में भारतीय टीम का पलड़ा साफ तौर पर भारी रहा है। भारत ने 19 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि कीवी टीम केवल 11 मुकाबलों में ही बाजी मार पाई है। दोनों के बीच एक मैच टाई भी रहा है।जब बात न्यूजीलैंड की धरती पर टी20 अंतरराष्ट्रीय में दोनों देशों के आंकड़ों की आती है, तो यह और भी दिलचस्प हो जाता है। न्यूजीलैंड में अब तक कुल 12 मैच खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 5 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि मेजबान टीम को 4 मैचों में सफलता मिली है। तीन मैच टाई भी रहे हैं, जिनमें से दो मैचों में भारत ने सुपर ओवर में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी, जबकि एक सुपर ओवर भी टाई रहा था। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि कठिन हालातों भी भारतीय टीम ने कैसे धैर्य और कौशल का प्रदर्शन किया है। न्यूजीलैंड में भारतीय टीम को अंतिम बार हार का सामना 10 फरवरी 2019 को हेमिल्टन में करना पड़ा था। तब न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 212 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में भारतीय टीम 208 रन ही बना सकी और महज 4 रनों से मैच गंवा बैठी थी। हालांकि इसके बाद से ही भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड की धरती पर टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक भी मैच नहीं खोया है।

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की सात्विक-चिराग की जोड़ी हारी

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में जारी फ्रेंच ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट का पहला दिन भारत के लिए मिला-जुला रहा। जहां एक ओर पुरुष युगल में भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा, वहीं महिला एकल में तन्वी शर्मा और अश्मिता चालिहा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त सात्विक-चिराग की जोड़ी को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव ने तीन गेमों में कड़े मुकाबले के बाद 21-19, 18-21, 21-13 से हराया। यह लगातार तीसरा टूर्नामेंट है जब ये भारतीय जोड़ी पहले ही दौर में बाहर हो गयी है। इस मुकाबले में भारतीय जोड़ी पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में जोरदार वापसी कर मैच को निर्णायक गेम तक लेने में सफल रही। तीसरे और अंतिम गेम में पोपोव भाइयों ने शानदार खेल दिखाते हुए भारतीय जोड़ी को पीछे छोड़ दिया और 21-13 से गेम जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। यह पहला मौका था जब सात्विक और चिराग को पोपोव भाइयों के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुष युगल के अलावा, महिला युगल में भी भारतीय खिलाड़ियों को हार मिली। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को चीनी ताइपे की लिन चिह-चुन और यांग चू-युन ने सीधे गेम में 21-17, 21-18 से हराया, जिससे उनका सफर भी पहले दौर में ही समाप्त हो गया। वहीं महिला एकल में भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। तन्वी शर्मा ने अपनी ही साथी इशरानी बरुआ को 32 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 21-12 के सीधे गेमों में हराकर दूसरे दौर में अपनी जगह पक्की की। अब अगले दौर में तन्वी का सामना दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता दक्षिण कोरिया की एन से-यंग से होने की प्रबल संभावना है, जो उनके लिए एक बड़ी चुनौती साबित होगी।

बावुमा ने अपनी आसाधारण पारी का श्रेय तेंदुलकर को दिया

गकेबरहा। कप्तान टेम्बा बावुमा की शतकीय पारी से मेजबान दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में शानदार वापसी की है। इस वापसी में मुख्य भूमिका निभाने वाले बावुमा ने 179 रनों की एक ऐतिहासिक और जुझारू पारी खेली थी जिससे टीम पहली पारी में 425 रन बनाने में सफल रही। बावुमा ने अपनी इस असाधारण पारी का श्रेय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को दिया और कहा कि उनकी बल्लेबाजी तकनीक सीखकर ही मैं इस प्रकार की पारी खेल पाया हूं। बावुमा ने कुल 334 गेंदों का सामना करते हुए अपनी पारी में 18 चौके और एक जोरदार छक्का लगाया। अपनी बल्लेबाजी की तकनीक पर बात करते हुए बावुमा ने कहा, मैं तेंदुलकर जैसी तकनीक से खेलने की कोशिश करता हूं। मेरी कद-काठी लंबी-चौड़ी नहीं है और इसमें मुझे कोई खास लाभ नहीं मिलने वाला है जितना हो सकता है, मैं अपनी मूवमेंट को सटीक रखने का प्रयास करता हूं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे कोशिश करते हैं कि गेंद को ज्यादा से ज्यादा पास आने दें, जो कि तेंदुलकर की बल्लेबाजी की एक अहम पहचान रही है। उनकी यह धैर्यवान और सटीक बल्लेबाजी शैली ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को विकेट लेने के लिए तरसा दिया और उन्हें अपनी लय से भटकाए रखा। टेम्बा बावुमा की इस 179 रनों की पारी ने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। यह अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए किसी दक्षिण अफ्रीकी कप्तान का चौथा सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है, जो हाशिम आमला (दो बार) और ग्रीम स्मिथ जैसे दिग्गजों के साथ उन्हें खड़ा करता है। इसके अतिरिक्त, गकेबरहा के मैदान पर यह किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है, जो केवल हर्शल गिब्स के 196 रनों के रिकॉर्ड से पीछे है। बावुमा अब उन चुनिंदा दक्षिण अफ्रीकी कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में एक से अधिक बार 150 या उससे अधिक रनों की पारी खेली है।

भुवनेश्वर की प्रशंसा करते हुए शमी बोले, उसकी वापसी पहले ही जो जानी चाहिये थी

मुम्बई। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चार साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस तरह से भुवनेश्वर ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया है उससे उनकी वापसी पहले ही हो जानी चाहिये थी। भुवनेश्वर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, जो उनके लिए एक नई शुरुआत है। शमी हालांकि खुद वापसी करने में विफल रहे हैं पर उनका मानना है कि भुवनेश्वर की वापसी से उनकी उम्मीदें थोड़ी बढ़ गई हैं। शमी के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह थोड़ी कठिन नजर आती है पर वह घरेलू क्रिकेट के महत्व पर लगातार जोर दे रहे हैं। उन्होंने कहा, घरेलू क्रिकेट से अपने को तैयार रखने में मदद मिलती है। पता नहीं कब कहां खेलने का मौका मिल जाए। शमी रणजी ट्रॉफी 2026-27 के दूसरे मैच में बंगाल के लिए मैदान पर नहीं उतरे, जिसमें बंगाल ने सर्विसेज को 60 रनों से हराया। हालांकि, उनका बाहर बैठना खराब फॉर्म की वजह से नहीं था, बल्कि पिच के मिजाज और युवा खिलाड़ियों को अनुभव देने की रणनीति का हिस्सा था। शमी ने कहा, ऐसी विकेट पर मेरे खेलने का सवाल नहीं उठता। टीम में कई युवा हैं, जिन्हें अनुभव लेने की जरूरत है। मेरा उद्देश्य है कि जहां टीम को मेरी जरूरत होती है वहां अपना पूरा 100 प्रतिशत देना। जब उनसे पूछा गया कि क्या भुवनेश्वर कुमार की तर्ज पर घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर वे भी राष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं, तो शमी ने भविष्य के बारे में अनिश्चितता व्यक्त की लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को बेहतर बताया। उन्होंने कहा, भविष्य में क्या होगा मुझे नहीं पता, लेकिन मौजूदा हालात इससे बेहतर नहीं हो सकते। घरेलू सीजन शुरू हो चुका है, जो खिलाड़ी के लिए लय पाने का सबसे अच्छा मंच है। मैं मानता हूं कि आप सीनियर हों या जूनियर, आपको दूसरों के लिए मुकाबला कड़ा बनाना चाहिए।



पेरिस में यूईएफए चैम्पयंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए बार्सिलोना के एंथनी गोर्डन और पीएसजी के विलियन पैको व अन्य खिलाड़ी।

जिम्बाब्वे सबसे अधिक मैच हाने वाली महिला क्रिकेट टीम बनी

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां हुए तीसरे टी20 मैच में भी जिम्बाब्वे को 92 रनों से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से स्पष्ट जीत हासिल की है। इससे जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड भी जुड़ गया है जिससे वह भूलना चाहेगी। ये जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम की लगातार 23वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय हार थी, इसके साथ ही वह सबसे अधिक मैच हारने वही पूर्ण सदस्य देशों की टीमों में नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर बांग्लादेश का नाम आता है, जिसे 2012-2014 के दौरान लगातार 15 मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। आयरलैंड की टीम 14 हार के साथ ही तीसरे नंबर पर जबकि दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका जैसी टीमें चौथे और पांचवे नंबर पर हैं। इन टीमों ने अपने खेल के शुरुआती दौर में 2008-2010 के बीच लगातार 13-13 टी20 मैचों में हार का सामना किया है। इस सूची में साल 2018-2019 के बीच भारतीय टीम को लगातार 7 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। यह आंकड़ा जिम्बाब्वे के वर्तमान रिकॉर्ड से काफी पीछे है। जिम्बाब्वे की महिला टीम पहली बार भारत के दौरे पर आई थी और इस सीरीज से उन्हें काफी उम्मीदें थीं। पहले मुकाबले में उन्होंने भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी थी, लेकिन अंततः भारत ने वह मैच 4 विकेट से अपने नाम कर लिया था। इसके बाद के दोनों मुकाबले एकतरफा साबित हुए, जहां दूसरे टी20 में भारत ने 9 विकेट से जीत दर्ज की और तीसरे में 92 रनों की विशाल जीत के साथ सीरीज पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

एसबीआई पर साइबर हमला: हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक

मुंबई। भारत के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), ने पुष्टि की है कि एक साइबर हमले के कारण उसके हजारों ग्राहकों का निजी डेटा डार्क वेब पर लीक हुआ है। एसबीआई बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उन्हें संदेह है कि 3,897 ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी (पीआईएफ) चोरी हुई है। लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पता और घर का पता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ब्रांच और कस्टमर इंफॉर्मेशन फाइल के आइडेंटिफायर, लीड आईडी, और लोन व लीड रिकॉर्ड्स से जुड़े मेटाडेटा भी प्रभावित हुए हैं। एसबीआई को डेटा लीक के बारे में पहली जानकारी 16 अक्टूबर को थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) से मिली थी। डार्क वेब पर मिले रिकॉर्ड्स की शुरुआती जांच में 3,897 इसतरह के ग्राहकों का डेटा सामने आया, जिसमें उनकी संवेदनशील निजी जानकारी शामिल थी। हालांकि, एसबीआई ने आश्वस्त किया है कि इस घटना का बैंक के मुख्य कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन या व्यावसायिक निरंतरता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। बैंक के कोर ऑपरेशन बिना किसी रुकावट के सामान्य रूप से चल रहे हैं। बैंक ने तुरंत अपने साइबर इंसिडेंट रिस्पॉन्स और बचाव प्रोटोकॉल को सक्रिय किया है। एसबीआई ने कहा कि वह लीक हुए डेटा की सत्यता और पूर्णता की जांच करने, इसके स्रोत का पता लगाने, डेटा लीक के दायरे को समझने और ग्राहकों व बैंक के लिए जोखिमों का आकलन करने के लिए विस्तृत जांच कर रहा है। सबसे पहले 19 अक्टूबर को इस संभावित डेटा लीक की रिपोर्ट दी थी। एसबीआई स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और 3,897 ग्राहकों के डेटा से जुड़े मामले की जांच जारी है। बैंक ने कहा है कि इस दौरान नियमों के अनुसार उचित कदम उठाए जाएंगे।

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई में निकली एआई विशेषज्ञों की भर्ती

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अब एआई और डेटा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेषज्ञ की तलाश कर रहा है। बैंक ने स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (एससीओ) के पदों पर संविदा यानी कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर भर्ती निकाली है, जिसमें चीफ एआई ऑफिसर, डिप्टी जनरल मैनेजर और एआई आर्किटेक्ट जैसे कई अहम पदों को शामिल किया हैं। यह भर्ती सामान्य बैंकिंग पदों से हटकर आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों पर केंद्रित है। खास बात यह है कि कुछ वरिष्ठ पदों के लिए 55 साल तक के अनुभवी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एसबीआई ने जनरल मैनेजर एवं चीफ एसआई ऑफिसर, डिप्टी जनरल मैनेजर, एआई सॉल्यूशन आर्किटेक्ट और एंटरप्राइज एआई आर्किटेक्ट जैसे पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। चीफ एआई ऑफिसर पद के लिए न्यूनतम आयु 40 साल और अधिकतम 55 साल तय की गई है। इन पदों के लिए कंप्यूटर साइंस, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी शाखाओं में बीई, बीटेक या एमटेक की डिग्री या स्टैटिस्टिक्स या कंप्यूटर साइंस में एमएससी, एमए, एम स्टैट या एमसीए की डिग्री और संबंधित क्षेत्र में जरुरी पेशेवर अनुभव अनिवार्य है। डिप्टी जनरल मैनेजर के पदों के लिए आयु सीमा 35 से 50 साल, जबकि एआई आर्किटेक्ट पदों के लिए 30 से 45 साल रखी है। सभी पदों के लिए संबंधित तकनीकी विषयों में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री के साथ पर्याप्त अनुभव होना भी जरुरी है। चयन प्रक्रिया में उम्मीदवारों की योग्यता और अनुभव के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी, जिसके बाद इंटरव्यू होंगे। इंटरव्यू कुल 100 अंकों का होगा और इसके आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाएगी। कुछ वरिष्ठ पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को 10 मिनट का प्रेजेंटेशन भी देना होगा, जिसमें उन्हें अपने अनुभव और परियोजनाओं के बारे में जानकारी देनी होगी।

समान एसआईपी पर भी डायरेक्ट और रेगुलर प्लान में अलग रकम क्यों

ऑनलाइन एसआईपी करने से निवेश डायरेक्ट प्लान में नहीं बदले



नई दिल्ली। शुरुआत में छोटा दिखने वाला यह अंतर लंबी अवधि में निवेश की अंतिम रकम पर बड़ा असर डाल सकता है। इस अंतर को समझने के लिए 10,000 की मासिक एसआईपी का उदाहरण हैं। मान लीजिए खर्च घटने के बाद एक प्लान में सालाना 11 फीसदी और दूसरे में 10 फीसदी की दर से रिटर्न मिलता है। 5 साल में कुल निवेश 6 लाख रुपए, 11फीसदी रिटर्न पर 7.84 लाख रुपए, 10फीसदी रिटर्न पर 7.66 लाख रुपए। रकम में अंतर 18,700 रुपए। 10 साल में कुल निवेश 12 लाख रुपए, 11फीसदी रिटर्न पर 21.06 लाख रुपए, 10फीसदी रिटर्न पर 19.99 लाख रुपए। रकम में अंतर 1.07 लाख रुपए। 20 साल में कुल निवेश 24 लाख रुपए, 11फीसदी रिटर्न पर 87.66 लाख रुपए, 10फीसदी रिटर्न पर 76.56 लाख रुपए। रकम में अंतर 11.10 लाख रुपए। यह गणना चक्रवृद्धि के असर को दर्शाती है। कम खर्च के कारण मिलने वाला अतिरिक्त रिटर्न निवेश में बना रहता है और आगे उस पर भी रिटर्न मिलता है, जिससे लंबी अवधि में दोनों प्लान की अंतिम रकम के बीच का अंतर बढ़ता जाता है।

एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुताबिक निवेशक अपने म्युचुअल फंड ऐप या स्टेटमेंट में स्कीम का पूरा नाम देखकर यह पता लगा सकते हैं कि उनका निवेश डायरेक्ट प्लान में है या रेगुलर में। केवल ऑनलाइन एसआईपी करने से निवेश डायरेक्ट प्लान में नहीं बदल जाता है। रेगुलर से डायरेक्ट प्लान में जाने पर पुरानी यूनिट्स की बिक्री और नए प्लान में निवेश की स्थिति बन सकती है। इससे पूंजीगत लाभ पर कर लग सकता है और लागू होने पर एग्जिट लोड भी देना पड़ सकता है। इसलिए बदलाव से पहले इन लागतों की गणना करना जरुरी है।

नई एसआईपी किस प्लान में शुरू करनी है और पुरानी यूनिट्स को बदलना है या नहीं, ये दो अलग फैसले हैं, जिनके संभावित खर्च और असर का अलग-अलग आकलन करना चाहिए। एक ही म्युचुअल फंड स्कीम के डायरेक्ट और रेगुलर प्लान का पोर्टफोलियो और फंड मैनेजर समान होते हैं। मुख्य अंतर खर्च का है। रेगुलर प्लान में वितरक का कमीशन स्कीम के खर्च में शामिल होता है, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह कमीशन नहीं होता, इसलिए डायरेक्ट प्लान का खर्च आमतौर पर कम रहता है। फंड का खर्च उसकी संपत्ति से समायोजित होता है और इसका असर नेट एसेट वैल्यू में दिखाई देता है, इसलिए एक ही स्कीम के डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के रिटर्न में अंतर हो सकता है।

त्योहारों के सीजन में नकदी मांग में तेजी, आरबीआई की वीआरआर नीलामी में मजबूत भागीदारी की उम्मीद

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की बुधवार को होने वाली ओवरनाइट वेरिएबल रेट रीपो नीलामी में बैंकों की मजबूत भागीदारी की उम्मीद है। इसकी मुख्य वजह यह है कि त्योहारों के मौसम में नकदी की निकासी में तेजी आई है, जिससे बैंकों में अतिरिक्त नकदी में कमी आई है और ओवरनाइट ब्याज दरों में वृद्धि हुई है। सोमवार को भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) 5.66 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी दर के करीब है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक रविवार को शुद्ध नकदी अधिशेष 1.85 लाख करोड़ रुपए था। आरबीआई ने सोमवार को 1 लाख करोड़ रुपए की वीआरआर नीलामी की थी, जो तीन महीने में पहली नीलामी थी। इस नीलामी में बैंकों ने 1.51 लाख करोड़ रुपए की बोली लगाई थी, जिसमें केंद्रीय बैंक ने 5.52 फीसदी की भारित औसत दर पर 1 लाख करोड़ रुपए की बोली स्वीकार की। यह दर कॉल रेट से काफी नीचे और 5.50 फीसदी की नीतिगत रीपो रेट से थोड़ा ऊपर थी। अब आरबीआई बुधवार को अगली नीलामी में 50,000 करोड़ रुपए की पेशकश करेगा। एक सरकारी बैंक के डीलर ने बताया कि त्योहारों के सीजन में धन की निकासी के कारण अक्सर बैंकों की नकदी में गिरावट आती है, यह एक अस्थायी कमी है और आरबीआई वीआरआर जारी रखेगा। नकदी के रुख में हाल के समय में तेज बदलाव आया है। 29 जुलाई को अपनी पिछली वीआरआर नीलामी के बाद से, आरबीआई 6 अगस्त से लगातार नकदी खींचने का रुख अपना रहा था। इसकी वजह यह थी कि आरबीआई की रियायती स्वैप सुविधा के तहत एफसीएनआर-बी जमा से अतिरिक्त नकदी काफी बढ़ गई थी।

रसोई गैस सिलेंडर के दामों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। देश भर में एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। त्योहारों का सीज़न शुरू हो चुका है और दिवाली नज़दीक है, ऐसे में यह ख़बर उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी है, जिन्हें अक्सर गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि की आशंका रहती है। आज की तारीख में, घरेलू और व्यावसायिक दोनों तरह के गैस सिलेंडरों की कीमतों में किसी भी प्रकार की वृद्धि दर्ज नहीं की गई है, जिससे रसोई गैस का इस्तेमाल करने वालों को तत्काल राहत मिली है।

बैंक बंद: 22 अक्टूबर को सिक्किम में अवकाश, अन्य राज्यों में भी लंबी छुट्टियों की कतार

नई दिल्ली। गुरुवार, 22 अक्टूबर को सिक्किम राज्य में बैंक बंद रहने वाले है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के अवकाश कैलेंडर के अनुसार, दुर्गा पूजा और दशैन पर्व के उपलक्ष्य में छुट्टी घोषित की गई है। इस दिन सिक्किम में सभी सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंक, जैसे भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक आदि, अपनी सेवाएं निलंबित रहेगी। दुर्गा पूजा (दशैन) सिक्किम के नेपाली हिंदू समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जो देवी दुर्गा की महिषासुर पर विजय और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस मौके पर देवी दुर्गा की पूजा की जाती है, और परिवार के बड़े सदस्यों द्वारा छोटों को माथे पर टीका लगाकर आशीर्वाद दिया जाता है।

सिक्किम में बैंक 23 अक्टूबर (शुक्रवार) को भी दुर्गा पूजा/दशैन के कारण बंद रहने वाले है। इसके बाद, देश भर में 24 अक्टूबर (चौथा शनिवार) और 25 अक्टूबर (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश के कारण बैंक बंद रहने वाले है। जिससे कई राज्यों में लगातार छुट्टियों की स्थिति बन जाएगी।



दोहा में होमलैंड सिक्यूरिटी व सिविल डिफेंस को लेकर मिलीपोर कतर 2026 प्रदर्शनी में पहुंचे लोग। तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी में 270 से अधिक भागीदार शामिल हुए।

त्यौहारी सीजन में चीनी का कड़वा स्वादः 21 राज्यों में महंगाई चरम पर

नई दिल्ली। त्यौहारी सीजन के दौरान देश में चीनी की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2026 में देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 21 में चीनी की खुदरा महंगाई दर 30 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई है। देशभर में चीनी की खुदरा महंगाई दर अगस्त 2026 के 24.27 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 29.80 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो जनवरी 2026 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। गौरतलब है कि अप्रैल 2026 में चीनी की खुदरा महंगाई दर महज 1.44 प्रतिशत थी, जिसमें लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, ओडिशा ऐसा राज्य रहा जहां चीनी की कीमतों में सबसे ज्यादा उछाल आया और सालाना महंगाई दर 37.48 प्रतिशत तक पहुंच गई। वहीं, राजस्थान एकमात्र ऐसा राज्य रहा जहां कि सितंबर में चीनी की महंगाई दर में मामूली कमी देखी, जो अगस्त के 25.65 प्रतिशत से घटकर 25.15 प्रतिशत रह गई। चीनी के दामों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का मुख्य कारण गन्ने के उत्पादन में कमी और इस साल कम बारिश होना माना जा रहा है। देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों, जैसे महाराष्ट्र और कर्नाटक, में अपर्याप्त बारिश के कारण चीनी के उत्पादन और बाजार में उसकी उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। खुदरा बाजार के विपरीत, थोक बाजार (डब्ल्यूपीआई) में चीनी की महंगाई दर में सितंबर महीने के दौरान कुछ गिरावट दर्ज की गई। थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में थोक चीनी महंगाई दर 16.29 प्रतिशत थी, जो सितंबर 2026 में घटकर 12.72 प्रतिशत रह गई।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदान किए अनुकम्पा नियुक्ति पत्र :

प्रदेश में बनाए जाएंगे सांदीपनि स्कूलों के 400 नए भवन : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रवींद्र भवन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि आज स्कूल शिक्षा विभाग के 954 अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। अनुकंपा नियुक्ति के जो 300 प्रकरण शेष हैं,उनका निराकरण भी इसी वर्ष किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रतीक स्वरूप 11 कर्मचारियों को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की यह संवेदनशील पहल,पात्र परिवारों को शासकीय सेवा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हैं। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 200 नए सांदीपनि विद्यालयों के भवन स्कूल शिक्षा और 200 नए सांदीपनि



स्कूलों के भवन जनजातीय कल्याण विभाग द्वारा बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव रवीन्द्र भवन में बुधवार को स्कूल शिक्षा विभाग के अनुकम्पा नियुक्ति आदेश वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आरंभ वंदे मातरम् के गान से हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने पौधा भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे अधिकारियों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि शासकीय नौकरी करते हुए किसी का असमय दुनिया से चले जाना,परिवार के लिए कष्टकारी होता है। परिवार के सदस्य की कमी के साथ आर्थिक संसाधन भी बाधित हो जाते हैं। यह एक प्रकार से परिवार के ऊपर दुःखों के पहाड़ टूटने जैसा है। मुश्किल हालात से गुजर रहे ऐसे परिवार,राज्य सरकार के परिवार के हिस्से की तरह है। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत करना सभी के लिए प्रेरणा पुंज की तरह काम करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यही समय है, सही समय है इस वाक्य से प्रेरणा लेकर व्यवस्थाओं और भावनाओं का तालमेल करते हुए अपने कर्तव्यों का सही तरीके से निर्वहन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो दुनिया से चले गए, उसका सभी को दुःख है, लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग ने अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कर सराहनीय कार्य किया है। स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल अन्य विभागों के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परिवार में आर्थिक रूप से सुख संपन्नता हो, तभी आनंद से त्यौहार मनता है। राज्य सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता को समय-सीमा में पूर्ण करने का प्रयास किया है।

टी.बी. उन्मूलन प्रयासों के साथ नशा मुक्त भारत अभियान को भी जोड़े : राज्यपाल



राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने किया 77वें टी.बी. सील अभियान का शुभारंभ

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। यह स्वस्थ भारत-सशक्त भारत और विकसित भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि टी.बी. उन्मूलन प्रयासों के साथ नशा मुक्त भारत अभियान को भी जोड़ा जाना चाहिए। इन प्रयासों में नशे के मरीजों, विशेषकर युवाओं और बच्चों को नशे के आर्थिक, सामाजिक, मानसिक दुष्प्रभावों के विभिन्न आयामों के प्रति जागरूक करें। राज्यपाल श्री पटेल ने सभी माता-पिता का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को नशे से दूर रहने के संस्कार घर से ही प्रदान करें। उन्हें संयमित जीवन, पौष्टिक आहार और समुचित उपचार का व्यावहारिक महत्व समझाए। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को एम.पी. स्टेट टी.बी. एसोसिएशन के 77वें टी.बी. सील अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अभियान के सहयोग के लिए 11 हजार रूपए की सहायता राशि प्रदान की। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ.नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि टी.बी. मुक्त भारत अभियन में मरीजों की जाँच,उपचार और निगरानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक रोगी तक सही जानकारी, दवाईयाँ और पौष्टिक आहार की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि टी.बी. रोगियों को सकारात्मक विचारों और अनुशासित जीवन शैली के प्रति विशेष रूप से जागरूक बनाया जाए। टी.बी. मुक्त भारत के कार्यक्रमों को सघन और सतत रूप से संचालित किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने टी.बी. सील अभियान से जुड़े सदस्यों और स्वयंसेवी संस्थाओं को टी.बी. उन्मूलन के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह पीड़ित मानवता की सेवा का कार्य है। ऐसे मानवीय कार्यों से पुण्य लाभ और ईश्वर का आर्शीवाद प्राप्त होता है। राज्यपाल पटेल का एम.पी. स्टेट टी.बी. एसोसिएशन के चेयरमेन जयपाल सचदेव ने पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम में टी.बी. सील अभियान की जानकारी और जागरूकता पर आधारित किट का लोकार्पण किया। चेयरमेन श्री सचदेव ने टी.बी. सील अभियान और नवाचारों की जानकारी दी। आभार डॉ.अभिजीत देशमुख ने व्यक्त किया। इस अवसर पर लोकभवन के अधिकारी, एम.पी. स्टेट टी.बी. एसोसिएशन के पदाधिकारी और टी.बी. सील अभियान से संबंधित सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आज मुंबई में इंडिया केम-2026 के उद्घाटन सत्र में होंगे शामिल

सम्मेलन में प्रमुख उद्योगपति, निवेशक, विशेषज्ञ और नीति निर्माता शामिल होंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 22 अक्टूबर को मुंबई में होने वाले तीन दिवसीय इंडिया केम 2026 के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 14वें द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में रसायन और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़े प्रमुख उद्योगपति, निवेशक, विशेषज्ञ और नीति निर्माता शामिल होंगे। इस क्षेत्र में ओडिशा, गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। जनसंपर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री इस सेक्टर में मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश के अवसरों,अधोसंरचना एवं राज्य की नीति को निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों से साझा करेंगे। इंडिया केम-2026 के पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद प्रदर्शनी का अवलोकन, मुख्य कार्यपालक अधिकारियों का फोरम और कारोबारी नेटवर्किंग के कार्यक्रम होंगे। सम्मेलन में भारत-अमेरिका,भारत-जापान तथा भारत-यूरोपीय संघ के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल फोरम आयोजित किए जाएंगे। इन मंचों पर विभिन्न देशों के उद्योग प्रतिनिधियों के बीच व्यापार,औद्योगिक सहयोग और निवेश की संभावनाओं से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। पहले दिन रसायन एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्योगों को पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। सम्मेलन के दूसरे दिन विशेष रसायन, पेट्रोकेमिकल, रसायन एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए अधोसंरचना, पर्यावरणीय विषयों, संयंत्र एवं मशीनरी, पंप और वाल्व तथा कृषि रसायन पर केंद्रित परिचर्चाएं होंगी। इन सत्रों में उद्योगों की जरूरतों, उत्पादन प्रक्रियाओं, तकनीकी सुधार और पर्यावरण संबंधी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। 24 अक्टूबर को भी प्रदर्शनी जारी रहेगी। तीनों दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को क्षेत्र की नई संभावनाओं और व्यावसायिक सहयोग के अवसरों पर संवाद का अवसर मिलेगा।

भोपाल में नए कमिश्नर के जॉइन करते ही सीनियर अफसर का तबादला



निगम अपर आयुक्त अक्षय तेम्रवाल अब नगरीय विकास संचालनालय में पदस्थ

भोपाल। भोपाल नगर निगम में जूनियर अफसर को सीनियर अफसर के ऊपर पदस्थ करने के मामले में राज्य सरकार ने अपनी गलती सुधार दी है। नए कमिश्नर और आईएएस अधिकारी के जॉइन करने के साथ ही सरकार ने कमिश्नर से सीनियर अधिकारी का तबादला कर दिया है। बुधवार को 3 आईएएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। इसमें नगर निगम भोपाल के नए कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार से सीनियर अफसर और अपर आयुक्त नगर निगम अक्षय तेम्रवाल का तबादला करते हुए उन्हें अपर आयुक्त नगरीय विकास और आवास संचालनालय पदस्थ किया गया है। तीन दिन पहले जारी चार आईएएस अफसरों के तबादले में जबलपुर और भोपाल के नगर निगम आयुक्त को बदला था। भोपाल नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन को वित्त विभाग में उप सचिव बनाया है। जबकि जबलपुर नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार को भोपाल नगर निगम आयुक्त बनाया गया था। भोपाल में ही रामप्रकाश अहिरवार के बैच के ही अधिकारी अक्षय कुमार तेम्रवाल पदस्थ रहे है जो 2018 बैच के आईएएस अफसरों की सीनियरिटी में रामप्रकाश से सीनियर हैं। अक्षय तेम्रवाल का सीनियरिटी क्रमांक 296 है जबकि रामप्रकाश अहिरवार 299 नंबर के अफसर हैं और अक्षय तेम्रवाल से जूनियर हैं। आदेश जारी होने के बाद जब यह बात सामने आई तो बुधवार को चार दिन के अवकाश के बाद पहले कार्यदिवस में शासन ने एक नया आदेश जारी कर अक्षय तेम्रवाल को संचालनालय में पदस्थ कर दिया। यह आदेश रामप्रकाश अहिरवार के कमिश्नर भोपाल के पद पर जॉइन करने के बाद जारी हुआ है। इसी आदेश में दो अन्य अधिकारियों अभिषेक सराफ 2020 को अक्षय तेम्रवाल की जगह अपर आयुक्त भोपाल पदस्थ किया गया है। वहीं अपर कलेक्टर भोपाल सुमित कुमार पांडेय को मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्मार्ट सिटी भोपाल तथा अपर आयुक्त नगर निगम के अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मध्य प्रदेश सरकार ने रविवार रात 4 आईएएस अफसरों के तबादले किए हैं।

दुर्गा प्रतिमाओं के ससम्मान विसर्जन हेतु निगम द्वारा विसर्जन घाटों पर की गई बेहतर व्यवस्था

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर पालिक निगम भोपाल द्वारा माँ दुर्गा की छोटी-बड़ी प्रतिमाओं को पूर्ण विधि-विधान के साथ ससम्मान विसर्जित करने हेतु बेहतर व्यवस्थाएं सभी 07 प्रमुख विसर्जन घाटों पर सुनिश्चित की गई हैं जिनके कारण श्रद्धालुजन माँ दुर्गा की छोटी एवं बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन सुगमता के साथ कर रहे हैं और समाचार लिखे जाने तक 07 स्थाई विसर्जन घाटों पर लगभग 883 छोटी एवं बड़ी प्रतिमाएं विसर्जित की जा चुकी हैं। प्रभारी आयुक्त श्री तन्मय वशिष्ट शर्मा ने विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को बेहतर ढंग से व्यवस्थाएं संचालित करने के निर्देश दिए।



निगम प्रशासन ने 07 प्रमुख विसर्जन घाटों पर वरिष्ठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी और अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा है जो माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का ससम्मान, विधि-विधान के साथ विसर्जन की सभी व्यवस्थाएं समुचित ढंग से सुनिश्चित करा रहे है। निगम ने शहर के 07 प्रमुख विसर्जन घाटों पर सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत क्रेन, पोकलेन हेतु प्लेटफार्म, बोट्स, सभी आवश्यक संसाधनों से लैस गोताखोर व फॉयर ब्रिगेड का अमला तैनात किया है साथ ही विसर्जन घाटों एवं उनके पहुंच मार्गों पर बेहतर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश एवं पेयजल की व्यवस्था के साथ ही विसर्जन घाटों पर कंट्रोल रूम स्थापित किये गये हैं और पूजन सामग्री व अन्य प्रकार के अपशिष्टों को रखने हेतु पृथक-पृथक पात्र एवं 30 विशेष विसर्जन वाहन की व्यवस्था भी की है। उक्त व्यवस्थाओं को निरंतरता के साथ बेहतर बनाए रखने और श्रद्धालुजन को प्रतिमाओं के विसर्जन में किसी प्रकार की कठिनाई न आने देने हेतु विगत दिनों महापौर श्रीमती मालती राय एवं तत्कालीन आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन व प्रभारी आयुक्त श्री तन्मय वशिष्ट शर्मा ने विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया था।

भोपाल में आवारा कुत्तों का आतंक, फिर एक बच्चो को किया लहूलुहान

आठ साल के बच्चे को घर में घुसकर नोंचा,हमीदिया अस्पताल में किया भर्ती

भोपाल के शाहजहांनाबाद स्थित नूर महल लाल मस्जिद रोड पर आवारा कुत्तों ने 8 साल के बच्चे का मुंह नोंच लिया। इससे उसकी सर्जरी करना पड़ी। बच्चा पिछले 5 दिनों से हमीदिया अस्पताल में भर्ती है। वार्ड-9 के लाल मस्जिद रोड पर पिछले 5 दिनों में कुत्ते 15 से ज्यादा लोगों को शिकार बना चुके हैं। इनमें आठ वर्षीय इब्राहिम भी शामिल हैं। 16 अक्टूबर को एक आवारा कुत्ते ने इब्राहिम को घर में घुसकर काट लिया था। इसके बाद उसके चेहरे पर गंभीर घाव हो गए थे। आनन-फानन में परिजन उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसकी सर्जरी की गई। मामा फैजान ने बताया कि कुत्ते ने इब्राहिम के चेहरे पर चार जगह पर काट लिया। इसके बाद उसकी सर्जरी की गई। परिजनों ने बताया कि पांच दिन से बच्चे की हालत



गंभीर है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामा फैजान ने बताया,डॉक्टरों ने कहा है कि इस सर्जरी से इब्राहिम ठीक हो जाएगा। यदि नहीं होता है तो दोबारा सर्जरी करना पड़ेगी। शहर के नूरमहल रोड रहवासी मोहम्मद अली ने बताया कि इलाके में कुत्तों से बहुत परेशानी है। सुबह नमाज के लिए जब घर से मस्जिद जाते हैं तो कुत्ते पीछे पड़ जाते हैं। इससे बार-बार बचकर निकलना पड़ता है। शिकायत करने के बाद भी कुत्तों को नहीं हटाया गया है। वासिद खान ने बताया कि बच्चों के स्कूल आने-जाने में परेशानी हो रही है। नगर निगम को यहां से कुत्तों को हटाना चाहिए। इब्राहिम अली दाऊदी ने बताया कि इलाके में कई आवारा कुत्तों का झुंड घूम रहा है। इनकी संख्या 50 से ज्यादा है। इलाके में घूमने वाले डॉग्स अबतक करीब 15 लोगों को निशाना बना चुके हैं। इलाके के लोगों ने उत्तर विधायक आतिफ अकील के साथ वार्ड के पार्षद और निगम अधिकारियों से शिकायत की। जिसमें आवारा कुत्तों को पकड़कर बाहर करने की मांग की है। ताकि,इनके आतंक से लोगों की परेशानी न बढ़े। भोपाल में अनुमानित सवा लाख स्ट्रीट डॉग्स हैं। जिनकी नसबंदी पर हर साल 3 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए जाते हैं। इस वित्तीय वर्ष में 3.30 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। प्रति डॉग पर 1100 रुपए खर्च किए जाने के बावजूद इनकी संख्या बढ़ रही है।

समय-सीमा में पूर्ण हो आशिमा मॉल फ्लाई ओवर का कार्य : राज्यमंत्री कृष्णा गौर



राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल । मध्य प्रदेश की पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि आशिमा मॉल से बावड़िया गांव होते हुए सेज अपोलो अस्पताल के समीप नर्मदापुरम मार्ग को जोड़ने वाला प्रस्तावित फ्लाईओवर बनेगा। जो क्षेत्र की आबादी के सुगम आवागमन के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध होगा। अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्य में गति लाएं तथा कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न करें। यह निर्देश पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने बुधवार को अपने निवास कार्यालय समाधान में आयोजित समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिए। राज्यमंत्री गौर ने होशंगाबाद मार्ग स्थित आशिमा मॉल फ्लाईओवर के निर्माण में हो रहे विलंब पर गहरी अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में यातायात के दबाव को कम करने और आमजन की सुविधा के उद्देश्य से इस परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि प्रस्तावित फ्लाईओवर की कुल लंबाई लगभग 1,183 मीटर होगी। इसमें 733 मीटर मुख्य ब्रिज स्ट्रक्चर तथा दोनों ओर लगभग 400 मीटर लंबी एप्रोच एवं सर्विस रोड का निर्माण शामिल है। इस सेतु की चौड़ाई 15.5 मीटर निर्धारित की गई है। यह फ्लाईओवर आशिमा मॉल के समीप से प्रारंभ होकर बावड़िया गांव को पार करते हुए सेज अपोलो अस्पताल के निकट नर्मदापुरम मुख्य मार्ग से जुड़ेगा। इसके निर्माण से संपूर्ण क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारू होगी और नागरिकों को आवागमन में सुगमता प्राप्त होगी।

बिजली चोरी एवं अवैध कनेक्शन के विरुद्ध कार्रवाई

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल/रायसेन, 21 अक्टूबर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बकाया राशि के कारण विच्छेदित विद्युत कनेक्शनों को अवैध रूप से पुनः जोड़ने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रायसेन जिले के बरेली एवं ओबैदुल्लागंज संभाग में चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के दौरान कुल 15 व्यक्तियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 138 के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जांच के दौरान बरेली संभाग में 6 तथा ओबैदुल्लागंज संभाग में 9 ऐसे मामले सामने आए, जिनमें उपभोक्ताओं द्वारा बकाया राशि जमा किए बिना और कंपनी की अनुमति के बिना विच्छेदित विद्युत कनेक्शन पुनः जोड़ लिए गए थे। विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बकाया राशि का भुगतान कर नियमानुसार ही विद्युत कनेक्शन पुनः संयोजित कराएं। कंपनी की अनुमति के बिना विच्छेदित कनेक्शन जोड़ना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने सुनीं पार्टी कार्यकर्ताओं की जनसमस्याएं

भोपाल। कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर जल्द निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिन मामलों में विभागीय कार्रवाई की आवश्यकता थी,उन्हें शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक डॉ.प्रभुराम चौधरी भी उपस्थित रहे। मंत्री कुशवाह ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से सामने आने वाली जनसमस्याओं का गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा और उनके समाधान के लिए प्राथमिकता के आधार पर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण करना और उन्हें शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं,प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के नेतृत्व में संगठन भी आमजन की समस्याओं को शासन तक पहुंचाने और उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

विजयादशमी पर मप्र में 3,615 परिवारों को मिली पक्के मकान की सौगात

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के निरंतर प्रयासों और प्रतिबद्धता के फलस्वरूप विजयादशमी के अवसर पर प्रदेश के 3,615 शहरी परिवारों को उनके स्वयं के पक्के मकान की सौगात मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत राज्य शासन के कुशल नेतृत्व में जुलाई 2026 से 18 अक्टूबर 2026 की अवधि में इंदौर संभाग में 964, जबलपुर संभाग में 565, सागर संभाग में 534, उज्जैन संभाग में 547, भोपाल संभाग में 464, ग्वालियर संभाग में 208, नर्मदापुरम् संभाग में 177, रीवा संभाग में 104, चंबल संभाग में 32, शहडोल संभाग में 20 के साथ कुल 3,615 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया, जिनमें हितग्राहियों का विधि-विधान से गृह-प्रवेश कराया गया। पावन पर्व के विशेष अवसर पर अपने सपनों का घर मिलने से हितग्राही परिवारों में अत्यंत हर्ष का वातावरण रहा। यह उपलब्धि प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा योजना के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन का ही परिणाम है। राज्य शासन द्वारा शहरी क्षेत्रों के जरूरतमंद नागरिकों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से आवास निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ गति दी जा रही है। निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा और गुणवत्ता का ध्यान रखे जाने से ही यह लक्ष्य हासिल हो सका है।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए राजनीतिक दलों की बैठक

भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने बुधवार को निर्वाचन सदन, भोपाल में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के संबंध में बैठक की। बैठक में उन्होंने पुनरीक्षण कार्यक्रम की निर्धारित समय-सारिणी की जानकारी देते हुए राजनीतिक दलों से पात्र एवं छूटे हुए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने में सहयोग करने की अपील की। बैठक में उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजय श्रीवास्तव,राजेश यादव, वीरेंद्र सिंह तथा आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस पार्टी तथा कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में युवा एवं अन्य पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के उद्देश्य से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। उन्होंने राजनीतिक दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया।